पावसकवित्तरत्नाकर

अर्थात् पावसऋतु वर्णन

जिसमें

श्रीकृष्ण आनन्दकन्द व श्रीजगज्जननी शत्रुदमनी श्रीराधिका महारानीजी के चरित्र पावसऋतु के विहार में अनेकानेक कवियोंके बनायेहुये कवित्तों में वर्णित हैं ॥

जिसको

श्रीवल्लभ कुलसेवक श्रीकृष्ण चरणानुरागी बंगालीलाल सुत परमानन्द सुहाने ने सर्व रसिकजनों के निमित्त संग्रह किया ॥

प्रथमवार

लखनऊ

मुंशी नवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेखाने में छपा
जूलाई सन् १८९३ ई० ॥

भूमिका ॥

हे प्रियपाठकगणों जरा इस पुस्तककोभी एकबेर अवलोकन कीजिये यहछोटीसी संग्रह आपलोगों के निमित्त केवल पावस ऋतुही से पूरितकीगई है इसमें कालिदास पद्माकर पजन शंभु द्विजबलदेव मतिराम सरदार कविन्द किशोर घासीराम चिन्तामणि ठाकुरतोष तुलाराम दूलहउदैनाथ ऊधौ रघुनाथ रहीम रतिनाथ सेनापति शिवनाथ श्रीपति दिवाकर हरिचन्द इत्यादि अनेकानेक कवीश्वरों के उत्तमोत्तम कवित्त व सवैया वर्णितहैं इसपुस्तकका हक़ तसनीफ़ संग्रहकर्त्ता ने मुन्शीनवलकिशोर (सी, आई, ई) को देदिया है ॥

बंगाली लाल सुत
परमानंद सुहाने ॥

पावसकवित्तरत्नाकर ॥

अर्थात्पावसऋतुवर्णन ॥

कवित्त ॥ मंगलसदनगजबदनलसतभालबालइन्दुछ
बिदेखिमनहरषतहै । राजतहैदन्तएकभ्राजतहैचारिभु
ज छाजतहैतिलकसिंदूरसुसजतहै ॥ ऋद्धिसिद्धिसम्प
तिविदाविधानशिवसुतआदिदेवजाहिनिगमभनतहै ।
कहैअमरेशकरसम्पुट विनयसुनायकीजैपूरोकाममनमो
रेजोवसत है १ पायप्रभुताई कलुकीजियेभलाईइहां
नाहींथिरताईबैनमानियकविनके । यशअपयशरहिजा
तबीचपुहुमीकेमुलुकखजानाबेनीसाथगयेकिनके ॥ औ
रमहिपालनकीगिनतीगिनावैकौन रावणसे ह्वैगयेत्रिलो
कीवशजिनके । चोपदारचाकरचमूपतिचवँरदारमन्दिर
मतङ्गयेतमाशेचारदिनके २ श्वेतश्वेतबककेनिशान
फहरानलागे ईंचिईंचिचपलाकृपाणचमकायेरी । घहर
नभुशुण्डीकीअवाजसीकरनलागेबुन्दनकेभरनभीने
भरलायेरी ॥ भनतप्रतापरतिनायकनरेशजूनेधीरगढ़
तोरिबेकोपावसपठायेरी । येरीमेरीबीरअबकैसेकैमैंधीर
धरोंआयेघनश्यामघनश्यामनहिंआयेरी ३ अनलकीलू
कैंफूकेदेतबिरहानलकोतनभहरायघहरायघनगरजै ।
कोकिलाकीकूकैहूकैहोतहियहरीराम हायहाययेतैयेपपी

हापापीनरजे ॥ हरीभूमिजलभरीदेखिसुधिबुधिहरीहरी
परदेशअरीकरीपंचशरजे । बरहीबिदारतहैबिरहीकेउर
नकोदईनिरदईकोऊबरहीनबरजे ४ आढ़आढ़करतअ
साढ़आयोमेरीआली डरसेलगतदेखितमकेजमाकते ।
श्रीपतियेमैनमातेमोरनकेबैनसुनिपरतनचैन बुन्दिआन
केझनाकते ॥ झिल्लीगणझांझझनकारेनसंभारेनेकदा
दुरदपटबीजतरसैतमाकते । भरकीबिरहआगकरकीक
ठिनछातीदरकीसजलजलधरकीधमाकते ५ ॥ सवैया ॥
आयोअसाढ़हहाअबहींतेचढ़ीचपलाअतिचापकैतूदे ।
ह्वैहैकहासजनीरजनीदिनपापीकलापीमचाईहेदूंदे॥ इया
मबिनाकलनाहिंपरे अंशुवानरहैभरिआंखनिमूंदे । ग्री
षमभानसीसोहतसानसी लागतीबानसीबारिकिबूंदे ६
आवतेगाढ़अषाढ़केबादरमोतनमेंअतिआगलगावते।
गावतेचायचढ़ेपपिहाजनिमोसोंअनंगसोंबैरबँधावते ॥
धावतेबारिभरेबदराकबिश्रीपतिजूहियराडरपावते । पा
वतेमोहिंनजीवतेप्रीतमजोनहिंपावसमेंघरआवते ७ ॥
कवित्त ॥ आलीऋतुग्रीषमबितायेदेनपीवबिनकठिनकठि
नकरबचीहौंमरीमरी । अबतोइलाजकोरह्योनकछूकाज
लखिउठीपैघटानबिथ।उमड़ीखरीखरी॥ अजहूँनआयेह
रीझरीजलभरीभूमिचहूँओरदेखोबनहोरहीहरीहरी।छू
टनलगेरीधीरधुरवानिहारी प्राणलूटनलगेरीबोलमुरवा
घरीघरी ८ आयोऋतुराजआजदेखतबनेरीआली मद
छायोमहामोदसोंप्रमोदबनभूमिभूमि । नाचतमयूरमद
उन्मदमयूरनिकोमधुरमनोजसुखचाखैमुखचूमिचूमि ॥
पण्डितप्रवीणमधुलम्पटमधुपपुञ्जकुञ्जनमें मञ्जरीकोले

तरसघूमिघूमि। हेलीपौनप्रेरितनवेलीसीद्रुमनवेलिफैली फूलडोलनिमेंभूलिरहीभूमिभूमि ६ आईऋतुपावसुनआयेप्राणप्यारेयातेमेघनबरजआलीगरजनलावेना। दादुरहटकिबकिबकिकैनफोरैकान पिकनफटकिमोहिंशबदसुनावैना॥ बिरहबिथातेहौतौब्याकुलभईहौदेवजुगनूचमकिचितचिनगीउठावैना। चातकनगावैमोरशोरनामचावैघनघुमड़िनछावैजौलौलालघरआवैना १०॥सवैया॥ आयहौक्वारमेंशम्भुललाघरबाहरहीबरषाकोवितायहौ। तायहौतापनतेअँगअंगअनंगकीरारसोंकैसेबचायहौ॥ चायहौजौतौकहावहुकोफिरसोतनकीकुशलातनपायहौ। पायहौयामेंकहायशकौनकी सावनमेंमनभावनआयहौ ११॥कवित्त॥ अम्बरटटानफेनफूटतफटानजैसेचढ़ेनटवानछबिछाजतछटानकी। चातकरटाननदीनदउपटानजगजंगलबहानेमुरवादज्योंबटानकी॥ ओढ़दुपटानबुंदचुवतलटानपुषीतनलपटानमनोमदनकटानकी। पीयकेतटानपरेकुसुमपटानठाढ़ी ऊपरअटानलेत लहरेघटानकी १२॥सवैया॥ आजुगईहुतीकुञ्जनलौबरषैअतिबूंदघनेघनघोरत। देवकहूँहरिभीजतदेखिअचानकआयगयेचितचोरत॥ पोटमधूतटबोदकुटीकेपटीसोंलपेटकटीपटछोरत। चौगुनोरंगचढ़ैचितमेंचुनरीकेचुचातललाकेनिचोरत १३॥कवित्त॥ आईऋतुपावसअषाढ़धराधरबाढ़िललितकदंबनलतानललिताईहै। कहतकिशोरजोरदहनदरपजैसीतैसियेतड़पतड़िताकीअतिछाईहै॥ छोड़ेकौनमानरतिसोबिगाड़ैकौनआली उनईघटाकीक्षितिछबिअतिछाईहै। मेघनकीभुकनभकोरनप्रभञ्जनकीभि

छिनकीझनकझलानकीअवाईहै १४॥सवैया॥आईसुहाईमहाबरषाऋतुरीझहमारीकहीपियकीजिये।जैसीरँगीनहैकुसुंबनचूनरीतैसियेपागतुम्हैंरँगदीजिये॥ झूलियेएकहीसंगमबारकमोहनीतानमलारसुलीजिये।दामिनिज्योंज्योंलगैघनश्यामहिं त्योंत्योंतिहारेगरेलगिभीजिये १५॥कवित्त॥ अवनिदुलीचापैवितानआछेआसमानपौनपियुगंधदानकानक्षणओतहै।कहतकिशोरउघटतनटमोरजालतालदेतचातकजगावैकेहिकोतहै॥ जलदमृदंगबाजैवरिसृतगानसाजै चञ्चलानचतजुगुनूनजगजोतहै।रतिसुखसदनउजेरेसुखदीपतिक्षैमदनमहीपतिकोमजलिसहोतहै १६ आयोऋतुपावसलोयोबनचढ़ाईकरिसैसवकोफन्दबन्दछोरनचहतहै। ग्रीषमसनानमिट्योजातगुरुजनभीतपवनसुछन्दताझकोरनचहतहै॥कामकोघनेरोघनबरषिसनेहबुन्द तनमनप्राणसबैबोरनचहतहै। वयसनदीमेंलालप्रेमकोप्रबाहबाढ़योलोकलाजसीमाहायतोरनचहतहै १७ आयोऋतुपावसमुरेरमेरुबोलेभोरधुरवाधुंधारबुन्दबारिकैझरैलगी। भनतदिवाकरसुरेशचापऊगेव्योमदादुरदराजसीअवाजकरैलगी॥ झाइझाइबातघहरातघनघोरशोरचातककीशोरचहुँओरबगरैलगी।झिल्लीझनकारबकपांतीहहकारसुनिनेकुनासोहातआलीअंगथहरैलगी १८ आलीप्राणगाहकबकालीयेबलाहकमेंदाहकमीजगैधीरइन्द्रगोपगनते। धीरधरैबीरकिमिपेखिसुनासीरचापउठतसमीरलैकलापतापतनते॥ठौरठौरमोरनकीकोरचहुँओरचितैहियेबरजोरक्षैमिरोरछिनछनते। दामिनीदमकदेखिउठीबरि

कुंजवामलखिघनश्यामभ्करिलगरिहिगनते १९ ॥ सवैया॥
आसवमेंचपलाचपचूंधित वौकिअचौकिभुजानभरेंगे ।
साहसकैरसकैसुसकैसिसकैनसहीतलतापहरेंगे ॥ पीप
रदेशकरोहियपीरअधीरभयेहमहायजरेंगे । पावसमेंपि-
यप्यारीप्रमोदितकोऊविलासीविलासकरेंगे २०॥कवित्त॥
आयोपुनिपावसअमावसनिशाभेदिन छिनछिनप्यारे
क्योंहिभांतिनबितायहौ । फिरचैकरेजाहूकीकोकिलैकरन
लागीमोरशोरसुनिकिमिचितठहरायहौ ॥ बेदरदीबैरीब
दबदरावड़ेईबुरेनितप्रतितासोंप्राणकैसेकैबचायहौ । प
रतनएकौपलकललालक्योंहूहाय काकेगरेलागिकामत
पनिमिटायहौ २१ ॥ सवैया ॥ अवसावनमेंइतनीगरमी
भरमीमतिभोगनभावतहै । ऋतुमेंअनरीतिभईसजनी
रजनीदिनजोउबिआवतहै ॥ कविरामचरित्रकहैकिमिकै
सुखसोइयेतापनतावतहै । बरषातमेंबारिभरेबदराबर
षावतनातरसावतहै २२ ॥ कवित्त ॥ आयोऋतुपाव
सप्रतापघनघोरभारीसघनहरीरीवनमण्डनवढ़ायेरी ।
कोकिलकपोतशुकचातक चकोरमोरठौरठौरकुञ्जनमेंप
क्षीसवछायेरी ॥ यमुनाकेकूलओकदम्बनकीडारन
पैचारोंओरघोरशोरमोरनमचायेरी । येरीमेरीवीरअब
कैसेकैधीरधरौं आयेघनश्यामघनश्यामनहिंआये री
२३ उमड़िघुमड़िघनघेरिकैघमण्डकीन्होचपलासमेत
चहुंओरनतेभूमरे । निशिदिनजापीतापीवोलतपपीहा
पापीकूरहैकलापीऐसेघोरसुनिघूमरे ॥ जियैगेबियोगीकै
सेऐसेसमयमहाकबियोगीतेवैभोगीभयेफोरिफोरितूमरे ।
देखमेरीआलीअबमैनकेमतंगछूटे धायेजावैधुरवायेधौरे

घोरेघूमरे २४ उमड़घुमड़घनघोरचहुंओरशोरसुनि खगधुनिसुघरहतनगेहकी । हरीजलभरीभूमिझूमिर हीदूमघूमलतालपटानीतापैझलकनमेहकी ॥ ऐसेमेंप यानठानकौनसोसयाननाथजानतजहानबनीसैनाहैबिदे हकी । दमकनिदामिनीकीचमकनिकामिनीकीझलक निबूंदनकीजमकसनेहकी २५ उमड़िउमड़िघनघुमड़ि घुमड़िआयेचञ्चलाउठततामेंतरजितरजिके। बरहीपपी हाभेकपिकखगटेरतहैं धुनिसुनिप्राणउठैं लरजिलरजि के॥ कहैकबिरामदेखिचमकखद्योतनकीप्रीतमकोरहीमें तोबरजिबरजिके । लागेतनतावनबिनारीमनभावनके सावनदुवनआयोगरजिगरजिके२६॥ सवैया॥उमड़ेनभम एडलमण्डितमेघअखण्डितधारनतेमचिहैं । चमकैंगी चहूंदिशितेचपलाअबलाकहुकौनकलाबचिहैं॥ अकुला इमरैगीबलायमबारकआजउपायइहैरचिहैं।पहिलेअच वैगीहलाहलकोतबकेकीकुलाहलकैनचिहैं२७॥ कवित्त॥ उमड़तझुमड़तघूमघनआयेघेरे कोरैदेतनिनदनगारन कीघूमको। कहतिकिशोरचारोंओरनतेजोरावरीओरेदे तजरबिजुरिनवारीधूमको ॥ झाझकरझंझातैसीझुक झकझोरेदेतझलरेतमालनकीझांपझापझूमको।जल जकोजोरेदेतजलदकोफोरेदेत जलनकोटोरेदेतबोरेदेत भूमको२८ उनयेतेदिनलायेदेखोअजहूंनआयेउनयेतेमे हभारीकागरपहारसे।कामकेबशीकरनडारेअंबसीकरन तातेयेसमीरजेवैशीतलतुसारसे॥सेनापतिश्यामजूकोबि रहअहररह्योफूलप्रतिफूलतनजारतप्रजारसे। मोरहरष नलागेघनबरषनलागेबिनबरषनलागेबरषहजारसे२९

उमड़िघुमड़िघनकोपिआयेकामतल गरजतगगनन
गारनकीधमकें । कारेपीरेरातेधौरेधूमरेवादरेपे वरष
तसरहोतबूंदनकीभमकें ॥ उठेवगपांतिपांतिउडतपता
केध्वजदामिनिकीदमकनिखुलेखरगचमकें। नाथयेअपा
ढ़गाढ़राढ़सीमचाईदेखो नंदकेकुमारविनसकैकौनकमकें
३० उकड़िउकड़िकढ़िकढ़िवड़िवड़िवरधाराधरधारेरूप
अतनअसानको । आनअनवेलिननवेलिनकीकहावीर
बेलिननहूँहोसहोततरलपटानको ॥ कहतकिशोरजोरमं
जुघोरघहरनलहरनउठेपुञ्जदिपनक्षपानको । खेवईवि
लोकितोहिअटलअभङ्गपरै कैसोईकपटआजपटलघटा
नको ३१ उमड़िघुमड़िघनवरषनलागेचहूँदशहुँदिशा
मेंलागीदमकनदामिनी।पौनकोभकोरअंगअंगकोमरोर
देतसावनकीकारीअतिभारीलगैयामिनी॥रामपरतापऐ
सीसमैजाकेप्यारोढिग वाकोअतिआनँदवोधन्यधन्यभा
मिनी। मेरेप्राणप्यारेतोविदेशमेंवसतहायपरीसूनीसेजत
लफतिह्यांमेंकामिनी ३२ उमड़िघुमड़िघनछांड़तअखंड
धारअतिहीप्रचण्डपौनभूकनबहतुहे। द्विजदेवसंथाको
लाहलचहूँधानभरौलतेजलाहलकोयोगउमहतुहे॥वुधि
बलयाकोसोईप्रबलनिशाकोमेघदेखब्रजसूनोवैआपनोग
हतुहे।येहोगिरधारीराखोशरणतिहारीअबफेरियहिवारी
ब्रजबूड़नचहतुहे ३३॥सवैया॥ ऋतुपावसआइगोभागन
तेसंगलालकेकुञ्जनमेंविहरौ। नहिंपायहोऔसरऔरयुव
तकहाअबलाजलजाइमरौ॥ गुरुलोगओचौचंदहाइन
सोंविरथेकेहिकारणबीरडरौ। चलिचाखेसुधाअभिलाषे
करौयहिपाखेपतिव्रतताखेधरौ ३४॥कवित्त॥ ऐहेंकबहूँधौ

हरिकहोतुमसूधोऊधो ब्रजकीबधूटीजूटीव्रूझतिहैंबेरिबे
रि। देहकोपरसम्बंधुसरससनेहवहहोयगोदरशघनश्याम
कोकिनाहिंफेरि ॥ आयोयहसावनन आयेमनभावनक्यों
लगोहैडरावनमनोजजनुफौजघेरि । दूमैंद्रुमडारछोरझू
मैंपिकवरजोरघूमैंघनघोरमोरजूमैंचहुँओरटेरि ३५ ऐ
सीझरीबूंदन मैं दूँदनउठायोकामसूंदैमुखप्यारीबनीगूंदै
नाबहरिकै । कहैकबिशिवनाथझिल्लीगणगाजतहैसाव
नमेंबहैरसलहरीछहरिकै ॥ ऊनरीसुकंजद्युतिदूनरीदृगन
बाढ़ीहूनरीकहतिखौरदेनरीगहरिकै। ऊनरीघटामेंगोरीतू
नरीअटापैबैठखूनरीकरैगीलालचूनरीपहरिकै३६ कंतबि
नभावतिसदननासजनिमोपै विरहप्रबलमैनमंतकोप्यौ
बाढ़के । श्रीपतिकलोलैबोलैकोकिलअमोलैखोलैगौन
गांठतोपैसौनराखेआढ़आढ़के ॥ हहरिहहरिहियकहरि
कहरिकरिथहरिथहरिदिनबीतेजियमाढ़के । लहरिलह
रिबीजफहरिफहरिआवै घहरिघहरिउठे बादरअषाढ़के
३७कारेजलधरचहुँघातेझुकरतआवैंदामिनीसोहावैसो
जनावैदुखगाढ़के। झींगुरपपीहाभेकशुकपिकमोरबोलै
डोलतसमीरसोकरतिआढ़आढ़के ॥ कहैकबिरामपीरी
अकुंरमहीतेकढ़ीबढ़ीपीरबनिताकेदेखेजलबाढ़के । का
मकेउमाहकबिरहीजनदाहकयेआयेप्राणगाहकबलाहक
असाढ़के ३८ कैधौंमोरशोरतजिगयेरीअनतभाजिकै
धौंउतदादुरनबोलतहैएदई । कैधौंपिकचातिकमहीपका
हूमारिडारयोकैधौंबकपांतिउतगतिह्वैगई ॥ आलमकहै
होआलीअजहूँ नआयेमेरेकैधौंउतरीतिविपरीतिविधिने
ठई । मदनमहीपकीदुहाईफिरिबेतेरहीजूझगयेमेघकै

धौंबिजुरीसतीभई ३९ ॥ सवैया ॥ कूकिहैंकेकीगिरीनके ऊपरभूपरकामकमानलैभूकिहै । भूकिहैचंदवधूनसेवृंदनफूकिहैमंदसमीरनचूकिहै ॥ चूकिहैप्राणबिनाघनश्यामकेश्यामघटातनदेखतहूकिहै । हूकिहैदेकैहियोकरिटूक अँध्यारीनिशामेंपियाकहिकूकिहै ४० ॥ कवित्त ॥ कारेकारेवादरसोंबरषतआदरसों दादुरपपीहापिकउरनसमातके । ठौरठौरसरससरोवरअथाहभयेगुंजरैमधुपपुंजमातेजलजातके ॥ हरीहरीदूबओटीतापरविराजैंबूंदउपमात्रनीहै मिश्रनिरखसिहातके। सावनसनेहीमनभावनरिझावनकोमोतिनगुथायेहैंदुलीचासकलेलातके ४१ कूकनमयूरनकीधुरवाकेधूकनकी झूकनसमीरनकीघसनप्रसूनकी । दमकनिदामिनिकीभामिनिकीरमकनि झमकनिनेहकीकरोररतिऊनकी ॥ नाथकीसौमाननकीझोकैबढ़िजाननकीभूकिहैंसिगाननकीताननकेदूनकी । उड़नदुकूलनकीछबिभुजमूलनकी काममनहूलनकीभूलनदुहूनकी ४२ ॥ सवैया ॥ कारीनईउनईघनकीघटाबिज्जुछटाकरैआनँदजीको । शोरभोओरचहूँपरसादमनोहरमोरनकीअवलीको ॥ चारुसुहायेपतानकोलोगेलतानमेंसोहेहरीरँगनीको । हैयहिभांतिसुहावनरीपैबिनामनभावनसावनफीको ४३ ॥ कवित्त ॥ कुहुकतमोरबनपवनझकोरघनकालिदासगाढ़ेयेअसाढ़गुणपेखिये । शीतलकदंबछांहगोरीगरेंधरेबाहँइंद्रकोनगरबनबगरबिशेखिये ॥ वारोअवशेषपुरीरसिकनरेशकान्ह ऐसोदेशदूसरोनसुखअवरेखिये । नीकेनयेछप्परअटानखटछप्परघटानकेघमंडव्रजमण्डलमेंदेखिये ४४ कारेकारेघनयेदंतारेसेबदतआ

वैबोलतनकीबकेकीकोकिलाग्रमानकी । दामिनीकीदस
कचमककिरबाणनकीबाणनकीबरषाबिरहवुंदठानकी ॥
घासीरामबाजतनगारेभारेभारेमेघइन्द्रचापकीन्होंकीधौं
चढ़नकमानकी । दावनपकरिप्यारीपूछेंमनभावनसोंसा
वनसमूहकैधौंआवनअमानकी ४५ कैसीकरौंहेरियहघे
रिदिशिविदिशानिफेरनभमण्डलघमण्डघनछायोरी ।
पीड़ितपियासपरमातुरपपीहापापीपीउपीउकहितनअत
नजगायोरी ॥ कहतिकिशोरतैसीपवनझकोरनत्योंमोर
नत्योंमधुरमलारसुरगायोरी । बड़ेबड़ेवुंदनबिलंदवारि
धरबीरअबहींबरसिगयोफेरिफपिआयोरी ४६॥ सवैया ॥
कैसीमनोहरमंजुसमीरनजानियेबैरबहैजोकहांते । जैसी
किशोरलतालचैतैसीनचैमुरवानकीज्योतिजमाते॥ लूट
तीकैसेनऐसेसमैसुखछूटतीबिज्जुछटाचहुँघाते । आज
लगीयमुनातेलगीनभलौनभश्यामघटानकीपाते ४७॥
कवित्त ॥ कीधौंवहदेशघनघुमड़िनबरसतकीधौंमकरन्द
नदीनदपंथभरिगे । कीधौंपिकचातकचतुरचक्रवाकबा
ककीधौंमत्तदादुरमधुरमोरमरिगे ॥ मेरेमनआवतनआ
लीबारेआवतज्योंकामकुरनिकरमहीतेधौंनिकरिगे । की
धौंपंचशरहरफेरिकैभसमकीन्हों कीधौंपंचसरयूकेपांचों
सरसरिगे ४८ कारीकूरकोयलकहांकोबैरकढ़तरीकूकिकू
किअबहींकरेजोकिनकोरिलै।पैंड़ेपरेपापीएकलापीनिशि
द्योसज्योंहीपातकीयेचातकीत्योंतूहीकानफोरिलै॥ जीव
नअधारघनआनँदसुजानबिनाजानकेअकेलीसबैघेरोद
लजोरिलै । जौलौंकरेआवनविनोदबरसावनवेतौलौंरेड
रेरेबज्रमारेघनघोरिलै ४९॥ सवैया॥ कोकिलकीसुनिकै

कलकूकनकेकीकुटेकीकुटेकनटेरे। बीरबधूबिरचीसीफिरैं
बिरहानलकेमनोबीजबिषेरं ॥ बानकहैसखीभूमिहरील
खिहोईहरीनहरीफिरेहेरे। धावतधूमसेबादरदेखिलगेज
लमोचनलोचनमेरे ५० ॥ कवित्त ॥ केकीजबकूकैतबसू
कैंप्राणकाशीरामहरीहरीभूकैहेरेशोचसरसातिहै। भाकरी
भयोहैमौनभरैदुखकौनदीजैछतिलौ नऐसेपौनगौनपरस
तुहै ॥ विपतिनरेशतुमछायेपरदेशअतिविपतिहमारीह्यां
बिधातादरशतुहै । वेगिसुधिलेहुनातोछूटीजातिदेहअ
वकोप्योहैअदेहअरुमेहबरसतुहै ५१ कढ़ीदिशिदक्षिण
तेघोरघनघटाचढ़ीबढ़ीबिरहीकोदुखदेनकोनकमहै। ठा
कुरझरोखेहैतनकताकीतीयकहो तूरीताकआलीयाउतं
गरंगतमहै ॥ कहोनाहिंमेघत्योंनमानैकहजानैतूनगरज
तआवैयासुजानेजोगहमहै। हैनबिज्जुहोतकरवारोदण्ड
चमचमजीबआनेआवतजमातजोरयमहै ५२ कछकि
तहोतगातबिपिनसमाजदेखे हरीहरीभूमिहेरिहियोलर
जतुहै। निपटचवाईभाईबन्धुजेबसतगांउदांउपरेजानि
कैनकोऊबरजतुहै ॥ एतेपैकरणध्वनिपरतमयूरनकीचा
तकपुकारितेहतापसरसतुहै । अरजोंनमानीतूनगरजो
चलतिबेरएरेघनबैरीअबकाहेगरजतुहै ५३ कारीघटाका
मरूपकामकोदमामोबाज्यो गाज्योकबिग्वालदेखिदामि
निदफेरसी। लपकिझपकिआयोदादुरसुनायोस्वरहमैहूँ
बिरहसखिमदनकीरेरसी ॥ बालमबिदेशबसेचातककेबो
लकसेज्योंज्योंतनुदहैत्योंत्योंऔरैहारिबेरसी । बूँदनकोद्व
न्दसुनिआंखैंमूंदिमूंदिलेत आयोसखिसावनसंभारेशम
शेरसी ५४ कूकिउठीकोकिलानगूंजिउठीभौंरभीरडोलि

उठेसोरभसमीरसरसावने । फूलिउठीलतिकाहूलौंगन
किलोनीलोनीफूलिउठीडालियांकदम्बसुखपावने ॥ च
हकिचकोरउठे कीरकरिशोरउठेटेरिउठीसारिकाविनोदउ
पजावनोचटकिगुलाबउठेलटकिसरोजपुंजखटकिमराल
ऋतुराजसुनिआवने५५ कूकैलगींकोइलैकदम्बनपैबैठि
फेरिधोयेधोयेपातहिलिहिलिसरसैलगे । बोलैलगेदादुर
मयूरलगेनाचनफेरिदेखिकैसंयोगीजनहियहरसैलगे॥ह
रिभईभूमिशीरीपवनचलनलागीलखिहरिचन्दफेरप्राण
तरसैलगे । फेरिझूमिझूमिबरषाकीऋतुआईफेरिबादर
निगोरेझुकिझुकिबरसैलगे ५६ कूकैलगींकोकिलैंकद
म्बनपैशातोदिनमोरपिकशोरहूसुनातचहुँपासहै । मन्दम
न्दगर्जतघनेरीघटाघूमिघूमि बहतसमीरधीरसंयुतसुबा
सहै ॥ जिततितनारीनरगावैंसुखपावैंअतिफूलतहिंडोरे
लालबाढ़तहुलासहै । हियेफरसावनकोकामसरसावन
कोबुन्दबरसावनकोसावनसुमासहै ५७ कैधौंबहिदेशज
हांप्रीतमपियारेबसैंघोरेघटानहिंघूमिघूमिघहरावैंहैं । कै
धौंचमकतनाहिंचपलाचहूँघातहांकैधौंनासुरेशकबोंबुन्द
फरलावैहै॥ कैधौंकामकुटिलनब्यापतकरेजेकैधौंकोऊना
हिंमेघऔसलाररागगावैहै । कैधौंलालपावसकीरातमें
पपीहापापीबारबारपीपीकरकूकनासुनावैहै ५८ कौनप
रीचूकमोसोंएरीमेरीबीरजासों कीनीमनमोहननेऐसीहा
यघातियां । छायेपरदेशपायोंकछुनासँदेशयेहीजियमेंअंदे
शकबहूँभेजतनापातियां ॥ कामकीसताईदिनरोयकेबिता
औंलालकैसेकलपाओंपीरहोतअतिछतियां । तापैकल
पावनकोबिरहबढ़ावनकोआईदुखदाईफेरिसावनकीरति

यां ५९ ॥ सवैया ॥ करकागदलैकैवियोगिनिनारिलिखेइ मिप्रीतमकोपतियां। यहिपावसमेंपरदेशछयेबलिहारीतु म्हारीशिलाछतियां ॥ सखियांपियसंगहिंडोरेचढ़ींकहैं गीतमेंगाभीभरीबतियां। अतिकारीडरावरीसांपिनिसी मोहिंशालतिसावनकीरतियां ६० ॥ कवित्त ॥ कीधौंउ नवनघनघेरिनघुमड़आवेकीधौंकीचभूतलमेंप्रकटीनहीं नई। कीधौंदबिदादुररहेडराइव्यालकेकीधौंपापीपापीहै पियाकीटेरनादई ॥ घासीरामकीधौंवकवाजनकीत्रासमा न्योंकीधौंबहिदेशवीरपावसनहींठई। कीधौंकामश्यामजू केतलुतेनिकसिगयोकीधौंमेघजूभ्केकीधौं विजुरीसतीभई ६१ कीधौंमोरशोरतजिगयोरीअनेकभांतिकीधौंउतदा दुरनबोलतनयेदई। कीधौंपिकचातकचकोरकाहूमारिडा र्योकीधौंवकपांतिकहूँअन्तर्हितह्वैगई ॥ बालनकहतघर आयेनहिंलालनजोजेतीविपरीतिरीतिमानहुँउतैठई।मद नमहीपकीदुहाईमिटिदेशतेधौंकीधौंमेघजूभ्केकीधौंदामि नीसतीभई६२ कीधौंवाबिदेशघनघुमड़िनछावैचहूँकैधौं वाबिदेशकहूँदामिनिनदरसै। कैधौंवाबिदेशमोरशोरनम चावैजोरकैधौंवाबिदेशवेगवोलिकैनहरसै ॥ कैधौंवाविदे शमेंनझींगुरझनकझुण्डकैधौंवाबिदेशमेंनजुगुनूज्योति सरसै। कैधौंवाबिदेशमेंनरामचरितरसैजोकैधौंवाबिदेश घटाघेरिकैनबरसै ६३ कैधौंवहिदेशमेंघुमड़िघनघेरैना हिंकैधौंवहिदेशदामिनीहूनहिंदमकै। कैधौंवहिदेशमेंन बरसतबारिदरामपरतापकैधौंझिल्लीहूनाझमकै ॥ कैधौं वहि देशमेंनबहतिबयारिकहूँमन्दमन्दशीतलसुगंधभरी रमकै। कैधौंवहिदेशमेंपपिहराहूंपीउपीउटेरदैदैपीवको

चेतावेनउधमकै ६४ ॥ सवैया ॥ कीवहिदेशबसैजहँप्रीतम घेरिघटानकबूंघहरेहै । कीवहिदेशनदामिनिदीपतिबूंदन मेहनहींभ्रहरेहै ॥ कीवहिदेशनरामप्रतापजूपौनभकोर चहूँलहरेहै । कीवहिदेशमैंपापीपपीहापियानकहैजोपिया बहरेहै ६५ ॥ कवित्त ॥ कैधौंवहदेशशेषदादुरचबाइडारो कैधौंशैलशिखरसिखीनबैठबोलैना । मनतदिवाकरकी इन्द्रनकेनदेशवहधारामैंनधारजलगानवहटोलेना॥मरी लोगनमूकभईशबदसुनावैनाहिं विपिनविहंगसंगकरत कलोलेना । ऐसेसमयइन्द्रमोहिंबुन्दनउठायहायपावस निरानोश्यामग्रावतग्रबोलेना ६६ कारोनभकारीनिशि कारियैडरारीघटाभूकनबहतपौनग्रानँदकोकन्दरी । द्वि जदेवसांवरीसलोनीसजीश्यामजूपै कीनेग्रमिसारलखि पावसग्रनन्दरी॥ नागरीगुणागरीसुकैसेडरैरैनिउरजाके संगसोहैंयेसहायकग्रमन्दरी । बाहनमनोरथउमाहैसंग वारीसखीमैनमदसुभटमशालमुखचन्दरी ६७ केकिन केनाचगानकुहूँकूककोकिलकीरटनिपपीहराकीनामधुनि ठानी है । बूंदनकेपातग्रलिलोचनग्रवतजातजाततृण जातपुलकावलिनिशानीहै ॥ मालहैविशालबकपांतिन कीदीनद्यालबारिबाहनयेबन्दबन्दनाबखानीहै । झला झलझलचपलाकीद्युतिध्यानभई पावसनहोयभक्तिक लाप्रकटानीहै ६८ कलनपरहियेकन्हैयाकीसुगैयालखे चलनसमैयामेंललनकह्योग्रावनो । ग्रौधिग्रासश्वास रहीप्यासग्रधरामृतकोग्रायोग्रहसावनोनग्रायो मनभा वनो ॥ पीरेवादुकूलकीसुरतिग्रायेशूलउठैकूलकालिन्द्री कोहूललागतडरावनो।पावसरसमदेखिदहतग्रसमबाण

ऊधोक्योंखसमकह्योभसमचढ़ावनो ६९ कारीअँधि
यारीरैनिबिजुलीचमकैऐन दादुरकेबैनमेघबरसतफुहूँफु
हूँ। पौनकीझकोरझोरझिल्लिनकेशोरघोरचातकचकोर
मोरकुहुकतकुहूँकुहूँ॥ ताहीसमैसुधिकरिछातीसेलगायो
प्यारेआंशूचलेलागेप्यारेनैननसेलुहूँलुहूँ। मसकिमस
किप्यारोज्योंज्योंलपिटातजात त्योंत्योंसुखमोरिमोरिकर
तउहूँउहूँ७०॥ सवैया॥ खरकामेंखरेबरषाऋतुमेंउनयेघन
जोअतिसंकटके। भजिओरमवारकदौरदुरेअरिराधेगु
पालरहेहटके॥ तरजाकितरोबनजोरिकैगोवनघेरिबछौ
वनतेठनके। परमेहमेंभीजैंसनेहभरेदोउपामरीकामरी
मैंसटके ७१॥ कवित्त॥ गरजनगारेभारेबूंदहरकारेआगे
ध्वजाधारेधुरवागजतीनावदनके। पवनतुरंगचढ़ेधायेभ
टरंगरंगघेरिआयेचारोंओरसूनेहीसदनके॥ केकीकूकका
तीकलकोकिलासेघातीयार छातीहहरातीदेखेचपलारद
नके। कांदरबिरहसुधिलीजैश्यामसादरजूआयेवीरवा
दरबहादुरमदनके ७२॥ सवैया॥ गरजेघनघोरघटाघु
मड़ीजबतेबिरहाजुभयोसरजी। सरजीवभयोमृदुदादुर
चन्दलियेरतिनागरकीमरजी॥ मरजीजोउठीपिककीध्व
निलैचपलाचमकैनरहैबरजी। बरजीवरजीजियकोसज
नीभयोचातकमोजियकीगरजी ७३॥ कवित्त॥ गायहौं
मलारैंभुजनाइहौंहियेमेंछकि छाइहौंछिगुनकुंजकञ्जहीके
कोरेमें। कहैंपदमाकरपियायहौंपियालामुखमुखसोंमिला
इहौंसुगंधकेझकोरेमें॥ नेहसरसाइहौंसिखाइहौंजोसा
वनमेंपाइहौंपरीसोसुखमैनकेमरोरेमें। उरउरझाइहौंहिये
सोंहीयलाइहौंझुलाइहौंकबैधौंप्राणप्यारीकेहिंडोरेमें७४

ग्रीषमतेतचिबचिपावसमरूकैपाईतामें फूकेजुगनूझूके
लागेपौनकी।हूकैउठैहियमैंकनूकैलखैबूंदनकीझिल्लिहूंन
मूकैंयहबिसासीबैरीभौनकी ॥ चपलाचहूँकैत्योंत्योंतनमें
भभूकैउठैऊकेमारेमुखाकहौंमैंकौनकौनकी । दादुरकीहू
कैधामकरतञ्चूकैंउर कोकिलकीकूकैतापै बूकैंदेतीनोन
की ७५ गरजैंचहूँघाघनघोरमोरशोरकरैंलरजैंलतानव्य
न्दशोभासरसाईहै । दामिनीदमाकेंजुरिजुगुनूचमाकैंक
हूँकेलियादमाकैंभरीकूकैंसुखदाईहै ॥ मनअनुरागेप्रीति
रीतिउरजागेलखिइन्द्रुभट्टरागेबनबागेअहराईहै । अर
जबिहारीपैहमारी भुवनेशयेतीमिलनयोगुभेशपावसञ्च्ह
तुआईहै७६ गयेकहिआवननआयेयहसावनमेंऊधोमन
भावनभुलायरहेहैतहीं । झैरहींबिहालबालब्रजकीगोपा
लबिनारैनिदिनानैननतेअपारधारझैबहीं ॥ बैठिजनपुञ्ज
ठामयमुनानिकुञ्जधामञांड़िश्यामपाहिहयां सुहातनाहिं
हैकहीं । गरजैंहैघनघोरलरझैंहैबनमोरनन्दकेकिशोरसु
निअरजैंअजौनहीं ७७ गुञ्जरनलागीभौंरभीरैंकेलिकुञ्ज
नमेंक्केलियाकेमुखतेकुहूकनिकढैलगी । द्विजदेवतैसेक
छुगहबगुलावनतैंचहकिचहूँघाचटकाहटबढैलगी ॥ ला
गोसरसावनमनोजनिजओजरतिबिरहीसतावनकीबति
यांगढैलगी । होनलागीप्रीतिरीतिबहुरिनईसीनवनेहउ
नईसीमतिमोहसोंबढैलगी ७८ घनकोघमंकओबेनकब
कपांतिनकीबीजुरीचमककरबालसीदिखातरी । ललिता
लतानलखियतुहैनदानओर कहैपरमेशत्योंबहतबेसबा
तरी ॥ मोरनकोशोरचहूँओरहोतठौरठौरदादुरकीदूंदि

बिनामनभावननसावनसोहातरी ७९ घुमड़िघुमड़िआ येबादरउमड़िधायेसांवरेबिदेशछाधिऔसरकरारेमें । दादुरपपीहामोरशोरचहूँओरकरैंमारतमरोरिउठिकामज्वारजारेमें ॥ धूमजलधारैंकरैंउमंगिसलिलसरैंगाजकीगजौमरैंबैसमतवारेमें । झूकैंझुकिजातीचढ़ीझूलिझूलिगातीदेखिफाटेबीरछातीहाकुठौरभयेभारेमें ८० ॥सवैया॥ घेरीघटाघहरायरहीदरकावतुहेबिनप्रीतमछाती। कामिनियांहियरातरसावतदामिनियांचहुँतेदरशाती ॥ रामप्रतापझकोरतपौनभई दुखदाइनसावनराती । तापैवियोगबढ़ावतहेबहपीकहांबोलिपपीहराघाती ८१ ॥ कवित्त॥ घहरिघहरिघनघोरिचहुँओरछायेछहरिछहरिछबिशोभासरसारैरी। पवनझकोरजोरदादुरमयूरशोरचोपभरेचारोंओरझिल्लीझनकारैरी ॥ येरीमेरीबीरबनैधारतनधीरअबपातकीपपीहापीउपीउकैपुकारैरी। यन्त्रकोनधारैअरुमन्त्रकोउचारै जातेतजिकैप्रवासमनमोहनपधारैरी ८२॥ सवैया ॥ घहरारीघनेघनघोरघटाकरिशोरउठेबहुमोरअटा । घनश्यामैंमिलेतियताहीसमैचलीदामिनीसीफहरैदुपटा ॥ वाकेनैनघनेघनेघालैंकटाक्षभनेभुवनेशसुकौनछटा । जनुविश्वफतेकरिबेकेहिलैफरकावेमनोभवभूपपटा ८३॥ कवित्त॥ घहरिघहरिघनसघनचहूंघाघेरिछहरिछहरिविषबुन्दबरसावैना। द्विजदेवकीसौंअबचूकमतिदावअरे पातकीपपीहातूपियाकीधुनिगावैना ॥ फेरिऐसोऔसरनआइहैतेरेहाथमेरेमटकिमटकिमोरशोरतूमचावैना। हौंतोबिनप्राणदेहचाहततजोईअवकतहिमरिसिमतअकाशबीचधावैना ८४ ॥ सवैया ॥

घूमिघनेघुमरैंघनघोरचहूंचढ़िनाचतमोरअटारी। त्यों
द्विजदेवनईउनईदरशातिकदम्बनिकीछविन्यारी॥ चून
रिसीक्षितिमानोबिछीइमसोहतिइन्द्रबधूकीपत्यारी। का
हिनभावतिऐसीसमयठकुराइनियांहरिग्रारीतिहारी८५।
कवित्त॥ घूमिकैचहूंघाधायआवैजलधरधारताड़ितपता
केवाकेनभमेंपसरिगे। द्विजदेवकालिन्दीसमीपनकेनीप
नकेपातपातयोगिनीजमातनतेभरिगे॥ चातकचकोरसो
रदादुरसुभटजोरनिजनिजदांवठांवठांवनसँभरिगे। विन
यद्दुरायअबकीजेकहामायहाय पावसमहीपकेचहूंघाघेरे
परिगे ८६ घनकीघनकघनघटाघनकतआलीदामिनि
दमकदेतदीपकप्रकासहै। बूंदनकेफूलजालधनुलैविशा
लमालआयेझुकिमेघसोप्रणामकोहुलासहै। मोरनकेशो
रचहुंओर विनयदीनद्यालपवनझकोरचोरकरैंआसपा
सहै। पूजनकरतप्रीतिरीतिप्रकटाययहपावसनहोयपरमे
श्वरकोदासहै ८७॥ सवैया॥ घनघोरघटाचहुंओरचली
चिनगीजुगनूचमकावनोहै। मुरवानकेकूकअचूकहिये
सहिहूकमहापछितावनोहै॥ मनमाहिंसदामुददम्पतिके
विरहीजनतापतपावनोहै। अलिसावनमेंमनभावनते
रहिदूरिमहापछितावनोहै ८८॥ कवित्त॥ घहरघहरघह
रातचहुंघातेघेरिसघनसघनघनघुमड़िबरसतहै। छहर
छहरछहरातक्षितिमण्डलपैछूटिछूटिबुन्दछररीकोछरतहैं।
भहरभहरभहरातमौनभीतिभारी भीतिभारीभारतीके
भौनहूंभरतहै। थहरथहरथहरातमेरोगातआलीप्यारो
विजयानन्दविदेशमेंबसतहै ८९ घूमतघुमड़मतवारेसे
महानघनघूमतनगारेज्योंधुकारधुनिसोंमढ़े। धुरवाधम

कअदभुतसेतमकउठीदामिनीदमकचारुओरअखसेक ढ़े ॥ ऐसीसुधिपावसप्रबलदलदयारामआयोविरहीनपै अतंकअतिहीबढ़े । वरषालगीरीबामबानबरषासीहोन करखासेपढ़तमयूरगिरिपैचढ़े ९० घनदरशावनहैबीज तरसावनहैचहूंओरधावनहैंवैहरसगाढ़की । माननीभ यावनहैंमोरहरषावनहैदादुरबोलावनहैअति आढ़आढ़ की ॥ श्रीपतिसुहावनहैंझिल्लीझनकावनहैंबिरहीसता वनहैंचिन्ताचितबाढ़की । लगनलगावनहैमदनजगाव नहैंचातिककोगावनहैआवनअषाढ़की ९१ ॥ सवैया ॥ घनश्यामघटाउनईइततेघनश्यामनहींघनघातकरै । च मकैंचपलादमकैंछतियां क्षणहीक्षणआंखनआंशुढरै ॥ पलहीपललौंपियपीयरटैकलनाहींपरैदुखदेहजरै । प लसोंनलगेपलपीयबिनापलकाकेपरेपलकाकेपरै ९२ ॥ कवित्त ॥ घांघरेकीघुमड़उमड़चारुचूंदरीकीपांयनमलूक सखमलवारजोरेकी । भृकुटीविकटछूटीअलकैकपोलन पैबड़ीबड़ीआंखिनपैछबिलालडोरेकी ॥ तरिवनतरलज राऊजरबीलोजोर सेवदकेललितवलितसुखमोरेकी । भूतलनभामिनिकीगावनगुमानभरी सावनमेंश्रीपतिम चावनहिंडोरेकी ९३ ॥ सवैया ॥ घेरेघटाझुकिआईच हूंदिशिदामिनितेद्युतिहोतअजोरैं । जोरैसोबोलतहै पिकदादुरकांपिउठैजबकूकतमोरैं ॥ मोरैमरोरउठैजिय मैंकबिरामगड़ीतिरछीदृगकोरैं । कोरैमिलावैपियावह सांवरोश्यामघटाचहुँओरतेघोरैं ९४ ॥ कवित्त ॥ घनघह रानलगेअंगसहरानलागेकेकी कहरानलागेबनकेबिला सीजे । बोलिबोलिदादुरनिरादरसोंआठौयामग्रीषमकी

देनलागेबहुरबिदासीजे ॥ ठाकुरकहतदेखोपावसप्रवल
आईउड़तदिखानलागेबगुलाउदासीजे । दाबेसेदबेसे
चारोंओरनछपेसेबीर वसबसरहनलागेबदराबिसासी
जे ६५ चञ्चलचलाकेचहुँओरनतेचायभरीचरजगईती
फेरचरजनलागीरी । कहैपद्माकरलवंगनकीलोनील
तालरजगईतीफेरलरजनलागीरी॥ कैसेधरोंधीरबीरत्रि
विधिसमीरेंतनैतरजनगईतीफेरतरजनलागीरी । उम
ड़िघुमड़िघनघेरकैघनेरीघटागरजगईती फेरगरजनला
गीरी९६॥ सवैया॥ चौंकिउठीचपलाक्षणमेंघनघेरिचहूँदि
शितेघुमरेहैं।ओरहुहूँभरिकैसलिलाबनितासुरँगीचुनरीप
हिरे है॥ दादुरमोरचकोरसदागतिकोकिलछेदहियेमेंकरे
हैं । प्यारेसुजानबिनाकबिरामसुकैसेअषाढ़केद्योसपरेहैं
९७॥ कवित्त॥ चिन्तामणिघनबनबीथिनमेंबोलैंमोरतै
सियेरहीहैघटाघनकीउनैउनै । तैसियेभईहैलालभूमिइ
न्द्रबधुनसोबधुनपहिरिलालचूनरीचुनैचुनै॥शीरीशीरी
तैसियैकदम्बनकीबासलैलैबायुबहै लहलहीबेलिनदुनै
दुनै। झांकिकैझरोखेघरीघरीमुरझातिबामहरीहरीपेखि
अंकुरनकीमुनैमुनै ९८ चायचढ़ेदादुरतेबेधतहैबदनको
झिल्लीसुरसुआशवसुखनिकोओमुहै। पढ़तपपीहाकेकी
कोकिलअखण्डकांडीहरीहरजगमग्योजुगनूकोखोमुहै॥
दलदीजोऊधोप्रणवन्तकीजोपायंगली लजनिकरैजोने
कदेखोचाहैजोमुहै।गोपीहोतीआहतबिरहकुण्डपावसमें
आइयेसदनश्याममदनकेहोतुहै ९९॥ सवैया॥ चोपच
ढ़ेघनब्योममढ़ेबरसैसरसैकरिकैप्रणगाढ़े । ऐसेसमैरघु
नाथकियोघरतेपगबाहिरजातनकाढ़े॥ श्रीवृषभानकुमा

रिसुशरिसखीतिहिश्रौसरप्रेमकेबाढ़े। पालनकोऊतनाशि
रदैदोउवातनकेरसभीजतठाढ़े १०० ॥ कवित्त ॥ चपला
चमकिघनगरजनसाजसंग सहितअनंगकेतरंगधरिवो
करै । शीतलसुगंधसुतपवनसहायकरिवसुधाअपारज
लधारभरिबोकरै॥ चातकपुकारेमोरशोरकरिहारेवनभि
ल्लीभ्भरकारेअरिभांतिअरिवोकरै । पियकेप्रयंकमेंनिशं
ककैभरतअंकअबघनघोरचहुंओरकरियोकरै १०१ चूं
दरीकीचहकचमकचारुचोपनकी चुरियोंकीचुहुरचितौं
नचखचोरेकी। कहैपद्माकरमनोजमदमातीमजामेंहदी
कीमहकमजेजमुखमोरेकी॥ गोलागवगंजनगुराईगोल
गालनकीगहगहीगालवगोराईगातगोरेकी । हरितहरा
कीहीरहारकीहमेलहूकी हलनहियोईहरैहलनहिंडोरेकी
१०२॥सवैया॥ चहुंओरनज्योतिजगावैंकिशोरजगीप्रभा
जेवनजूठीपरै । तेहिपैभ्भरमानोंअँगारअनीअवनीघनी
इन्द्रवधूटीपरै ॥ नभनाचैनटीसींजरायजटीसीप्रभासी
पटीसीनिखूटीपरै । अरीमेरीहटापटीविज्जुछटाछटीछूटी
घटानतेटूटीपरै १०३ ॥ कवित्त ॥ चूनरीसुरंगसजिसोही
अंगअंगनिउमंगनिअनंगअंगनीलौउमहतिहै । सौंध
वैठिभ्भांकतीभ्भरोखनितकारीघटा, चौहरेअटापैविज्जुछ
टासीजगतिहै ॥ द्विजदेवसुनिसुनिशबदपपीहराकेपुनि
पुनिआनँदपियूषमेंपगतिहै । चावनचुभीसीमनभाव
नकेअंकातिन्हेंसावनकीबूंदैयेसुहावनीलगतिहै १०४॥
सवैया ॥ चाहचढ़ीचितमैंहितकीउतकोनहुकेरसमेंअनु
रागे । लेतनहींसुधिदेतमहादुखयेधुरवामिलिआय
अभागे ॥ कौलोंरहौंधरिधीरकृपानिधिबोलउराहनके

कढ़लागे । बेलीलगीगरब्रक्षनकेपियदक्षिणङ्केपरदेशमें पागे १०५ ॥ कवित्त ॥ चितैचितैचहुंचमकतचंचलचप लचातुरिचकृतचौंकिचमकिचमकिउठे । औझकिउझ किझुकिझुकिझझकिझझकिझिल्लीझनकारनसों झ झकिझमकिउठे ॥ भुवनेशभरतदरारेंदबेदादुरनदेखिदु रिदेखिदेंहदमकिदमकिउठै । बरहीबलाकनित्रिलोकित्र दलनिवरविधुबदनिबनिताबमकिवमकिउठे १०६ ॥ सवैया ॥ चमकीसीफिरैंचपलाचहुँघाद्युतिदन्तनकीजबहीं सरसे । सुनिकैभुवनेशजुबैनसुधासमकोकिलबोलनिको तरसै ॥ यहमेरेहीअंगनकेपरसादतेपावसकीसुखमादर सै । लखिकैअलकैंघनआंसुनब्याजबड़ेबड़ेबूंदनसोंबर सै १०७ ॥ सवैया ॥ चहुंघातिघरीघरीघेरिघनाघनकीघ टाघोरघनीघहरै । छिनहीछिनछीननकोबरछीक्षितिलो छनछायाछटाछहरै ॥ चकवाचकईबकचातकचीरिनकी चिचियानिचहूंचहरै । बिलखायबियोगिनिबेदनसोबिज यानँदबैठरहेबहरै १०८ ॥ कवित्त ॥ छोटेछोटेकैसेतृण अंकुरितभूमिभयेजहांजहांफैलीइन्द्रबधूबसुधानमें । ल हकिलहकिशीरींडोलतिबयारिऔरबोलतमयूरमातेसब निलतानमें ॥ धुरवाधुकारैंपिकदादुरपुकारैंबकबांधिके कतारैंउड़ैंकारेबदरानमें । अंशभुजडारेखरेसरयूकिनारे प्रेमसखीवारिडारेदेखिपावसबितानमें १०९ छायोनभब रसतबारिदविजयनन्द आनँदअथोरचारोओरउमड़त है । पायोमुदमालतीकेकुंजकुंजगुंजतहैंभृङ्गपुञ्जद्वन्द्वगे हगेहतेभगतहै ॥ धायोदेशदेशतेविदेशोसबकण्ठलायो निजनिजकोभरयोमोदसोंजगतहै । आयोसखीसावन

सुहावनसहीपैमोहिंबिनमनभावनभयावनलगतहै११०
सवैया॥ छबिसोहैदुकूलनमेंचुनकैअपआपनीतेघटाजोव
तीहैं। रँगरातीसुनैधुनिमोरनकीमदमातीसंयोगलँजोव
तीहैं॥ कहिठाकुरवैपियदूरिबसेहमआंशुनतेतनधोवती
हैं। धनिवैधनिपावसकीरतियांपतिकीछतियांलगिसो
वतीहैं १११ छूटेघटाचहुँघाघिरज्योंगहिकाढ़करेजोक
लापिनकूके। सीरीसमीरशरीरदहैबहकैचपलाचपलैक
रऊके॥ येहोसुजानतुम्हेंलगेप्रानसुपावसयोंचपिपावस
सूके। हैघनआनँदजीवनमूरधरेचितमेंकतचातकचूके
११२॥ कवित्त॥ जलभरेघूमैमनोभूमैपरसतआपदशहूँ
दिशानघूमैदामिनीलयेलये।धूरिधारधूसरीसधूमसेधुधा
रेकारेधुरवानधारेधावैछबिसोंछयेछये॥श्रीपतिसुजानक
हैघेरिघेरिघहराहितकतअतनतनतावसेतयेतये।लाल
बिनकैसेलाजचादररहैगीमोहिंकादरकरतआयबादरन
येनये ११३ जौलौंहौंनबोलीतौलौंचातकमयूरबोलेमा
नकीमरोरनैनकोरऊनखोली मैं। खुलिरहीखूबखुशबोई
कीलहरिलालशीतलसमीरडोलैतनकौनडोली मैं॥सुक
बिनिहालमैनमनमेंउमगिआयोफूलिउठेफरकिउरोजयु
गचोलीमैं। कूकिउठीकोयलकसायनिकहूँतेआइदेखिघ
नश्यामघनश्यामतोसोबोलीमैं ११४ जादिनतेप्राणरख
वारेनेपधारेऊधोतबतेहमारेउरभारेखेददेंसबै। कोकिल
कुहूकंहूकलगैविज्जुकलालूकटूकटूककरैं हियोमेघगरजैं
जबै॥ घेरेदुखमैनमतिधीरसकैनधरिआवतनचैनदिनरै
निमनमेंअबै। पैहैंसुखनैनममलखेसुखमाकेऐनआयेसु
खदैनयहबैनसुनिहौंकबै ११५ जबतेहमारेप्राणप्यारे हैं

पधारेउतधीरनहिंधारेजातपीरहियमेंजगैं । शीतलसमी
रभयोतीरकालिन्दीकेनीरबीरबलबीरबिनुनीरदृगतेडगैं।
केशरीसमानजबबिरहपरैहैभानयोगज्ञानयेगयन्दयूथत
बहींभगैं । बोलीकोकिलानकीकरैहैंशूलहूलहमैंऊधोयेक
दम्बनकेफूलगोलीसेलगैं ११६ ॥ सवैया ॥ जाइकेद्वार
काबैठिरहेजुलहेअबलाब्रजकीदुखभारी । आवतमेघन
येउनयेजुगुनूदरसेसरसेनिशिकारी ॥ कोकिलकूककरेहि
यहूकउलूकसोबोलतपीकपुकारी । आंशुझरैंअँखियासे
तियाछतियाकरकेबकेहायबिहारी ११७ ॥ कवित्त ॥ झ
मकिझमकिझूलिरागकीसिखतिरीति छहरिछहरिबुन्द
गिरतअकासते । भनतदिवाकरकरतमोरशोरबनबिहरे
बहूटीबीरमेदिनीहुलासते ॥ चातकचवाईचाईसुरतिब
ढ़ावैचावचूनरसुरंगरंगबासीहैसुबासते । सावनसिरायो
मनभावननआयोआली कादरकरतकारीबादरप्रबासते
११८ झूमतझुकतझूमिझूमिघूमिघूमिचलेभूमिसोंभि
रतमनोबलकेउमंगये । बारबारगरजसुनावैंबरजेनजाहिं
नहींहैंउदारधारमदकेतरंगये ॥ दन्तबकपांतितेडरावैवि
नकन्तभारेअंकुशसमीरहोनमानैंकारेरंगये । करियेसहा
यआययाछिनमेंश्यामघनहोहिंनसघनघनमदनमतंगये
११९॥ सवैया ॥ झूमिरहेघनघूमिघनेबलिबोरतभूमिमनो
चहुँघाघिरि । हैअफसोसनरोसकरौंबिनहौंसलतारहिरू
खनसोंभिरि ॥ बेनीपपीहनमोरनहूंहहराननदूँदिकरैबहु
तेफिरि । ज्योडरपैतड़पैविजुरीपरैकाहूबियोगिनिपैनकहूँ
गिरि १२० ॥ कवित्त ॥ झिल्लीझनकारैंपिकचातकीपुका
रैंबनमोरनगोहारैंउठैंजुगुनूचमकिचमकि । घोरघनकारे

भारेधुरवाधुरारेधामधूमनमचावैं नचैदामिनीदमकिदम
कि ॥ भूकनवयारीबारिलूकलकनलगावैंअंगकूकनभ
भूकनसौंऔरमोंखमकिखमकि । कैसेरहैप्रानप्रानप्यारे
यशवन्तबिन छोटीछोटीबूँदनसों बरसैंभमकिभमकि
१२१ भंभापौनभूकैंअंगलागेसबसूकैं त्योंहीउठतभ
भूकेंपंचबानजूकेबानकी। दशोदिशिहूकैंदेखिदौरेंमेहहूकें
लगेचातिकउलूकैंमनिदेवनअधानकी ॥ भिल्लीनहिंभू
कैंचुपहोयजोमरूकैं त्योंयेजलकीकनूकैंआयप्यासीहोत
प्रानकी।गयेश्यामजूकेउपजावैंहियहूकैंएकधुरवाकीधूकैं
दूजेकूकैंमुरवानकी १२२ भूलतहिंडोरैंबंधीप्रेममनडोरैं
मणिमालउरडोलैंसंगडोलैंमणिमालके। छायेश्रमसीकर
तुपारकेहँसीकरमनोजकेबसीकरलंचनलंकबालके।भाव
नकेरागभरिगावनलगीहैरागकाननसुहानलागेकोकिल
रसालके। पैनअतिचञ्चलचलतचखुचञ्चलयोंफरहरैंअं
चलसुरंगपटलालके १२३ भूलिबेकोरसबशानवलहिंडो
रैंप्यारीतासमनकोऊसुरकिन्नरअसुरकी । कहैघनश्याम
अतिछामदृगअंचलसोअंचलउड़तबरनैकोछबिउरकी
ख्यालकेमचतहोलचतलंकबार बारमानोंविपरीतिरति
सीखबेकोढुरकी।उछरिउछरिचोटीपीठपैपरतमोटीखोटी
केपरेतेज्योंचमोटीकामगुरकी १२४॥सवैया॥भूलतपाटकी
डोरीगहेपटुलीपरबैठनज्योंउकरूकी।देवजूदैमचकीकटि
बाजतकिंकिणीकेहरगोलउरूकी ॥ सीखनकोबिपरीतम
नोऋतुपावसहीचटसारगुरूकी । खोटीपटैउचटैतियचो
टीचमोटीलगेमनोकामगुरूकी १२५ भूलतप्रेमसोंहेम
कीडारसीबारसीपातरीहैकटिखीनी । दैमचकालचकाव

तिअंगनिरंगमचावतिनारिनवीनी ॥ पीयझुलावदियो हैअचानकप्यारीमहाछबिसोंभयभीनी । लालहिंडोरन गोदभरीतियमोदभरीअंखियांभरिलीनी १२६॥कवित्त॥ झिल्लीरहयोझिलिलनकीझाँईको झनकजूहदादुरसम् हनकोहोतगलवलाहै । चारिहूतरफचारुचंचलाचमंक बंकचातकचवाईकोनकोनचितचलाहै॥कहतकिशोरदे खदेखतोनवेलीआजुआवतविहारसैंबहारभूमिभलाहै। झरनसोंभरेफुलझरीसे झरतआवें झिलिमिलिबुंदके झलनपरझलाहै १२७॥सवैया॥झरुहैझहरानझकोर नहैदुरुहैकहिदादुरदूहनको । बरहीकरहीमिलिशोरम हाभयनेकनदामिनिकूदनको ॥ ब्रजराजविचारतभीजै गीराधिकाकुंजनकोननमूंकनको । अपनेकरतानतका मरीकान्हगितैभरजानतबूंदनको १२८ ॥ कवित्त ॥ झर कीझरनझारझरीसीझरनअंग झंझाकीझकोरझार झपटीझरीनमें । छटाकीउछटछबिछपतछपाकरकीछा इरहीछनदासुहाईदिनदीनमें ॥ चातकचिहारचकचौं धिचारचहूँदिशिचक्षुनचकोरचकवानकेबिहीनमें । ता वशपरेहैपुषीकावशपरायेदेश पावसमेंतामसरहोनाबि रहीनमें १२९ डोलैपौनपरसिपरसिजलबूंदनसों बोलैमोरचातकचकितउठीडरिमैं । कहांलौंबराऊंदईमा रैमैनबाणनसोंथकिरहीकेतिकौउपायीकरिकरिमैं ॥ दत्त कविप्यारेमनमोहननपाऊंकहों मनसमझाऊंरीकहांलौं धीरधरिमैं । छायेमेघमगनसुहायेनभमण्डलमें आये मनभावननसावनकीझरिमैं १३० तीरपरतरनत नूजाकेतमालतरे तीजकीतयारी ताकिआईसखियान

मैं। कहैंपद्माकरलुउमंगिउमंगउठे मेहँदीसुरंगकीत रंगनखियानमें ॥ प्रेमरंगबोरीगोरीनवलकिशोरीतहां झूलतिहिंडोरेयोंसुहाईसखियानमें । कामझूलेउरमेंउ रोजनिमेंदामझूलैंश्यामझूलैंप्यारीकीऽन्यारीअँखियान में १३१ ॥ सवैया ॥ तेरेईबेभ्रमकेलखिकेजुगुनूनकीजेत नलूकैलगी । बरकीसुधिकैदरकीछतियाजवसीरीबया रिकीभूकैलगी ॥ भनिश्रीपतिआयघटाघहरैहहरैहिय राआतिहैकैलगी । अबकैसेबनावबनैगोपियाविनपापि नकोकिलकूकैलगी १३२ ॥ कवित्त ॥ तेरेडाहदहीवैठको ठरीकेकोनेरही अजहूंतौदेहिकौलनिकसौंतोकोनेसों । कहैंमकरन्दकोईपक्षिनगहनपंख कामसोनिहोरोकरिदे खोजौनतौनेसों ॥ तोकोमैंजरायजरौंचोपकरिओपकरी चुनिचुनिचुनीलाललाखनकेलोनेसों । येरेयेपपीहाजैसे पीयपीयकहैं तैसेआवआवकहैतोमढ़ावोंचोंचसोनेसों १३३ दूरियदुराईसेनापतिसुखदाईदेखोआईऋतुपाव सनपाईप्रेमपतियां। धीरजलधरकीसुनतधुनिभरकीसो दरकीसुहागिनकीछोहभरीछतियां॥ आईसुधिवरकीहि येमेंआइखरकीसुमिरिप्राणप्यारीवहप्रीतमकीबतियां । भूलीअवधआवनकीलालमनभावनकी डगभईबावन कीसावनकीरतियां १३४ दूबरीभईहैदेहकूबरीसनेहसु नेऊबरीनशोकसिन्धुपायज्ञानबोहितै । रहीअकुलायहा यकरैशिरकोनवायकहैयदुरायरहेकेतेदिनकोबितै। गाढ़ येअसाढ़देखिबढ़तिवियोगविथादामिनीदमकमोरशोर हैंजितैतितै ॥ आयेघनश्यामकाहूबामनेसुनाईटेरिचौं किचौंकिउठीचन्दमुखीचहुंघाचितै १३५ दमकेदशों

दिशादुनालीड्योढ़दामिनिकेघनकेनगारेभारेउरउलभ्क
नके। भनकेभनाकझुण्डभींगुरबिगुरबाजैंसनकेसमी
रतीरशक्रशरासनके॥ सनकेसमरमदमेचकभिलमधा
रेठनकेनकीबदर्पदादुरदमनके। मनकेनदनकेभिनका
मिनिकदनकेयेआयेवीरबादरबहादुरमदनके १३६ दा
मिनीदमकसुरचापकीचमक श्यामघटाकीजमकअति
घोरघनघोरते॥ कोकिलाकलापीकलकूजतहैंजितकित
सीकरतेशीतलसमीरकेभकोरते। सेनापतिआवनकहे
हैंमनभावनसो लागेतरसावनबिरहजुरजोरते॥ आयो
सखीसावनमदनसरसावनसो लागेबरसावनसलिलच
हुँओरते १३७ दोऊमखमूलभूलभूलमखतूलभूला
लेतसुखमूलकहितोषभरिबरसात। छूटिछूटिअलकैंक
पोलनपैछहरातफहरातआंचरउरोजरुउघरिजात॥ र
होरहोनाहींनाहींअबनाभुलावोलाल बबाकीसौंमेरेयेयु
गलजानथहरात। ज्योंहीज्योंमचतलचकतलचकीलो
लंकशंकनमयंकमुखीअंकनलपटिजात १३८ देहौंदृग
अञ्जनतिहारेहठमंजनके पावससोंजावकहोंपायँनदिवा
यहौं। सूहोशिरसारीडारिभूलिहौंहिडोरेमांभधीरेसेसु
रनकछुगुणगनगायहौं॥ हठनाहींकीजैहाहारक्षाकरबां
धिबेकीसुनहुसयानीयाकोभेदहौंबतायहौं। मेरेतनग्राम
बैठोविरहनरेशनाम छैहौचिरजीवयातेभूलिनबधायहौं
१३९ धावनधुरानेधुरवानकीनिहारीपियचातकमयूरपि
कआनँदमगनभो। श्रीपतिहोसावनसोहावनकेआवन
मेंबिरहसुभटतेवियोगिनीकोरनभो॥ जलमयीधरणि
तिमिरमईदेहदीहघनमईगगनतड़ितमयीघनभो। छ

विमईवनभोविलासमयीतनभो सनेहमयीजनभोमदन
मयीमनभो १४० ॥ सवैया ॥ धुरवानकीधावनमानोअ
नंगकी तुंगध्वजाफहरानेलगी । नभमण्डलतेक्षितिम
ण्डलछ्वैछिनज्योतिछटाछहरानेलगी ॥ मतिरामसमी
रलगीलतिकाविरहीबनिताथहरानेलगी । परदेशमेंपी
यसंदेशनहींचहुंओरघटाघहरानेलगी १४१॥ कवित्त॥धा
राधरभूमिऋतुधरासे धधायधाये धोरहरधमकायधाय
धकादेतुहै। झंझापौनझूकझोरझुकनझकोरझोंकझि
ल्लीझनझालजालझझकतुप्रेतुहै ॥ विरहवलायते
मुवारकनकहीजायतापरसहायप्रेतचढ़ेखलखेतुहै । दा
दुरदिवारचढ़ेचातिकतमारचढ़े गिरचढ़ीमोरशिरचढ़े
मीनकेतुहै १४२ धूमसेधुधारेकहूंकाजरसेकारे येनिपट
विकरारेमोहिंलागतसघनके।श्रीपतिसुहावनसलिलवर
सावनशरीरमेंलगावनवियोगिनातियनके ॥दरजिदरजि
हिरालरजिलरजिकरिअरजिअरजिपायँपकरेमदनके।
बरजिबरजिअतितरजितरजिमोपैगरजिगरजिउठैबाद
रगगनके१४३॥ सवैया॥धावनकोऊपठाऊंउतैउनतौइहि
औसरमेंकहेआवन। गावनऐरीलगेमुरवाधुरवानभमंड
लमेंलगेधावन॥छावनयोगीलगेशिवलालसुभोगीलगे
हैंदशादरसावन।तावनलागोवियोगिनकोतनुसावनवीर
लगेबरसावन१४४॥ कवित्त॥धीरगयोहीकोसुनिशोरवर
हीकोवीरनामलैकैपीकोयापपीहाआनिपीकोहै । मेघअ
वलीकोघोरपौनअवलीकोवहैमारअवलीकोहायमारअ
वलीको है॥नाहसेपथीकोकहूँआइबोनठीकोकहैदेखिअ
वनीकोरंगलागतननीको है । डारैअधजीकोमोहिंकीने

अथजीकोथहजानतनजीकोभेदहरतनजीकोहै १४५॥
सवैया॥ धनिवेजिनप्रेमसनेपियकेउरमेंरसबीजनबोवती हैं। धनिवेजिनपावसमेंपिसिकैमेहँदीकरकंजमलोवतीहैं॥ धनिवेजिनसूरतिसाजिसजैंहमलाजकेबोझकोढोवतीहैं। धनिवेधनिसावनकीरतियांपतिकीछतियांलगिसोवतीहैं १४६ धनिवेजिनपावसकी ऋतुमें नितप्रीतिमेंप्रीतिसों जोवतीहैं। धनिवेजिनकारीघटामेंअटाबिचबिज्जुछटाछ बिछोवती हैं ॥ धनिवेजिनरामचरित्रहियेहिलिहोंसनह र्षितहोवतीहैं। धनिवेधनिपावसकीरतियांपतिकीछतियां लगिसोवतीहैं १४७ निजनैननकोबरसाबरसातरसातन आंशुनधोवतीहैं। कहुँरामचरित्रनरोवतीहैंदिलकीदिल हीबिचगोवतीहैं॥ हमतोनितपावसकीनिशिमेंसखिसूनी सेजटकटोवतीहैं। धनिवेधनिपावसकीरतियांपतिकीछति यांलगिसोवतीहैं १४८ निशिनीलनयेउनयेघनदेखिफटी छतियांब्रजबालनकी। कबिगंगतनाद्युतिक्षीणभईसुथरी छबिदेखितमालनकी ॥ दशहूँदिशिज्योतिजगामगहोत अनूपमजीगनजालनकी। मनोकामचमूकीचढ़ीकिरचैंउ चटेकलधौंतकेनालनकी १४९॥ कवित्त॥ पावसप्रवेशापि यप्यारेपरदेशयेअँदेशकरिझांकतीहैमहलदरीदरी। ब गनकीपांतिइंदुबधुनकीकांति लखिभांतिभांतिबादरबि सूरतिघरीघरी॥ पवनकीझूकैंसुनिकोकिलकीकूकैंगुनिउ ठीहियहूकैंलगीकांपनडरीडरी। परीअलबेलीजियखरी तलबेलीतके हरीहरीबेलीवकेब्याकुलहरीहरी १५०पा वसप्रथमपियआवनकीऔधिहै जोआवतहीआवैतोबु लाऊंअतिआदरन। नाहींतौंनकीचहोनदेरीबीचसूखेसर

ग्रीषमहिभाखखालीराखखलखादरन ॥ बिजुरीवरजक
हिमेहनगरजइनगाजमारेमोरसुखमोररीनिरादरन । चो
चलोचचातकन कण्ठरोककोकिलन दूरिकरिदादुरबि
दाकरिदैबादरन १५१ ॥ सवैया ॥ पपिहाकीपुकारपरीहै
चहूँवनसैंगणमोरनगावनके । कहिश्रीपतिसागरसेउमं
गेतरुतोरततीरसुहावनके॥ बिरहानलज्वालदहैतनको
क्षणहोतसखीपगआवनके।दिनगेमनभावनआवनकेघह
रानलगेघनसावनके १५२ पारथकोधनुघूमिगयोबरण्यो
घनघोरचहूँदिशितेज्यों । लङ्कपतीहूँउतारिधरीधनुटारि
धरीरघुबीरबलीत्यों॥ एकईहैरसबातनईयेजूशालतप्राण
अचंभयहींयों । बैरीमनोजकेहाथरहीबरषाऋतुयेरीकमा
नचढ़ीक्यों १५३ ॥ कवित्त ॥ प्रथमहिपावसकोआगमबिलो
किनाथतड़पितड़पिउठैदामिनीअचानकी । ठौरठौरझीं
गुरनझनकिझनकिबोलैंद्रुमनकीडोलैंडारपवनढरानकी।
मोरनकोशोरसुनिउठिहैभभकिकाम कौनचतुराईसुधिक
रतप्रमानकी । घहरघमंडैंघेरिघेरिमहिमंडैंतैसीआवतप्र
चंडैंयेउमंडैंबदरानकी १५४ प्रेममदपागेअनुरागेलालबा
गेदोऊलागेभखेलोचनकेझूलतहिंडोरना॥लीनीहैचपल
द्युतिचोरनेचुरायाचित्तचन्द्रमुखीचञ्चलचखनगुखवोरना
ज्यों ज्योंप्राणपतिपरिरंभनकरतत्योंत्यों भावतीमुरतइहै
शोचकेभकोरना॥सरसप्रसूनहूतेकोमलकिशोरउरकठिन
कठोरमतिगड़ैकुचकोरना १५५।सवैया॥पानियमोतीमिला
यपुहीगुणपाटपुहीसोजुहीअभिलाखी।नीकेसुभायकरंग
भरीहितज्योतिखरीनपरैकछुभाखी॥ चाहलैबांधीहैप्रीति
कीगांठसोहैघनआनँदजीवनसाखी। नैननपानबिराजत

जानजोरावरेरूपअनूपकीराखी १५६ ॥ कवित्त ॥ पवनझ
हरनकदंबछहरनलागेतुंगफहरनलागेमेघमण्डलीनके।
भनतकबिन्दधारासरनिधरनिभरीकोसहोनेलागेबिकस
तकदलीनके।त्रासउपजनलागेसंपुटखुलनलागेकुटसकु
टनलागेकुटजकुलीनके।नाचेबिरहीनकेअहीनसुरझिल्लि
नकेदीनभयोवदनमलीनिअवलीनके १५७॥ सवैया ॥ पि
कबोलतडोलतमारुतहैलतिकाद्रुमजानिनयेवनये।उल
हेमहिअंकुरमंजुहरेबगरेतहँइंदबधूगनये ॥ असपायकि
शोरसभैरससैकसहोइनासैनभईमनये । चितचैनचरास
नआनछयेअबदेखनयेउनयेघनये १५८ पूरणप्रेमकोमं
त्रमहापनजामधशोधिसुधारहिलेख्यो।ताकरचारुचरि
त्रबिचित्रनयोपचिकेरचिराचिबिशेख्यो ॥ ऐसोहियेहित
पत्रपवित्रसुआनकथानकहूँअवरेख्यो । सोघनआनँद
जानसुजानलैटूककियोपरबांचनदेख्यो १५९ ॥ कवित्त ॥
प्यारेहीकेकाजप्यारीहित काजप्यारेदुहुदुहुनशिंगारेतन
नीकेचंदमटसों । यमुनाकेनीरतीरहंसिहंसिबातैंकरैंमन
अटकायोकलकोकिलाकीरटसों ॥ रातेरघुराईघनघटाघ
हरायआईबरसनलाग्योनान्हींबूंदनकेठटसों। जौलौंप्या
रोप्यारीकोउठायोचहैपीतपट तौलौंप्यारीप्यारोढांपली
नोनीलपटसों १६०॥ सवैया ॥ परकारजदेहकोधारेफिरो
परयन्यथथाबिधिहोदरसो । निधिनीरसुधाकेसमानकरो
सबहूबिधिसुन्दरमासरसो ॥ घनआनँदजीवनदाइकछैक
छूमेरियेपीरहियेपरसो । कबहूँवाबिसासीसुजानकेआँग
नमोअंशुवानकोलैबरसो १६१ पावसमेंपरदेशपियासुख
हूबनितानसोंप्रेमपगे । घनघूमिरहेछबिसोंक्षितिपैमर्याद

मनोरथजातभगे ॥ अतिमारतमारसुबाणनसोंपुनिनैन मनोसबयामजगे। किहिभांतिपतिव्रतपालहुरीसुखागि रिपैकहरानलगे १६२॥ कवित्त॥ पौनहहराईबनबेलीथह राईलहराईसौरभकन्दघननकीसानते। झिल्लीझुननाई पिकचातकचिच्याईउठैबिज्जुछहराईआईकठिनकृपानते कहैंपरमेशचमकतजुगनूनचाय मेरेमनआईऐसीउक्ति अनुसानते।बिरहीदुखारेतिनपरदईमारेमानोमेघबरसत हैअंगारेआसमानते १६३ पौनकेझकोरनकदम्बझहरा नलागेतुङ्गफहरानलागेमेघमण्डलीनके। भनतकबीन्द्र धरासारनभरनलागेकोशहीनलागे बिकसितकन्दलीन के॥ उटजनिवासिनकेत्रासउपजनलागेसम्पुटखुलनला गेकुटजकलीनके।मानोबिरहीनकेअहीनस्वरझिल्लिनके दीनभयेबदनमलीनबिरहीनके १६४ पीउनपीउकरतामि लेजोमोहिंआजपीउसोनेचोंचचातकमढाउँअतिआदर न। कठिनकलापिनकेकण्ठनकटाइडारोंदेतदुखदादुरचि रायडारोंदादुरन॥ मोतीरामझिल्लीगनमंदिरसुँदाइडारों वधिकबुलाइबांधौंबनकीबिरादरन।बिरहाकीज्वालनसों जिरहजराइडारोंश्वासनउडाऊंवैरीबेदरदबादरन १६५ पौनझकझोरघनघोरघनेघटाअटाबिचबिरहकेतापतन तापिनी। कहूंकलनापरैकामिनीकाकरैदरैदुखदापतेदा मिनीदापिनी॥ दादुरोझींगरोमोरसबशोरतेंरामचारित्त रवधेबोलिपिकपापिनी। भूलभूषणभयोचुरीचुरइलिभ ईरातिरमनिकिभईसेजभईसांपिनी १६६॥ सवैया॥ प्या रेओप्यारीअटापरबैठिकैदेखतदोऊघटाकोऊवारी। बा रहिबारगराजतबादरदामिनियांकरतीज्योंपटारी॥ बो

लैप्रियाहँसिपीतमसोंयहकारीघटाउनईहैअटारी । शम
प्रतापसंयोगीसुखीपैबियोगिनकोभईबूंदकटारी १६७॥
कवित्त॥पीउपीउरटतपपीहाऋतुपावसमेंदादुरपुकारसोन
बांचीकुलचादरन। कोकिलकीबोलनमयूरमेरुनृत्यनसों
झिल्लीझनकारसुनिभयेजिवकादरन॥होतोयहकालआ
लीआलजोदिवाकरजूहावभावकरतो कलोलअतिसाद
रन । जाइवहदेशकोबसतहैहमारसाईरोजरोजबिरहब
ढ़ावेबैरीबादरन १६८ पवनवजीरबीरदादुरसिपाहीसब
पावसमुसाहेबपयोदशखेतंबूतानि। भनतदिवाकरद्विरद
शोरघोरघनचपलानिशानसाजधनुइन्द्रकिरपानि ॥ बि
रहीसवारबकपांतिहहकार पिकचारणपुकारबोलेबीररस
जूहवानि। बूझकेबेहालबालआयोरतिनाथसैनकादराकि
योहैब्रजनाथबिनसूनेजानि १६९ पालोगेसचानपिककोकिलहेवानहेतुबेनीकोलुराइगाड़दादुरलुकावोंगे । भन
तदिवाकरसुरजशीशफूलज्योति आहरसुखायजिवभूमि
प्रकुलावोंगे ॥ बिरहदवारिज्वालपेड़पातजारिडारोबार
बगराइकेअधारलजवावोंगे। रुंधनउसाललुकपावनप्र
काशकरिप्राविटप्रबलतोकोग्रीषमबनावोंगे १७० पव
नझकोरैझकझोरैझोरैबुन्दबोरैघनेघनघोरैबोरैदौरैचहुं
ओरैरी । बिज्जुछटाकोरैबिनमोरैजीरसालकोरैआवत
असाढ़भारीठोरैठोरैखोरैरी ॥ जोरैप्रेमभोरैचित्तधीरज
बिथोरैनाहिंमानतनिहोरैकानदादुरयेफोरैरी । तोरैलाज
छोरैकुलकानिबरजोरैबीर मोरनाकिशोरैमोरैमनाहिमरोरै
री १७१ पावसमेंजागिअनुरागिरीसरोजनैनरैनिदि
नदेतउपदेशकोमनोजमुनि । नन्दकेकिशोरबिनकैसेरहै

जीवछिनपीउपीउहोतिपगिहांकीचहूंओरधुनि ॥ अंग
थहरानलगेलतालहरानलखि सखिनहिं धीरपीतपट
फहरानगुनि। घटाघहरानछिनछटाछहरानलागीहियो
हहरानलागोझरिझहरानसुनि १७२ पावसनप्यारीच
ढ़ोसैनसाजिसैनभारी कोकिलानकीवनौलधौलधुजावक
माल। वन्दीजनमोरगनवृंदजोरवानघनदादुरनिशान
देतदीहदीहनदीताल ॥ प्यारेकेनिरादरतेकादरकरनि
हारेकारेकारेधूमधारेवादरछिरदजाल। दामिनिदमकप
रवालकीचमकशालकरतिविहालहमैं बालविनानन्दला
ल १७३ पावसमैंनीरदैनछांडैछिनदामिनिहूंकामिनीर
सिकमनमोहनकोक्योंतजैं। अंचलापुरानीपूलकावली
कोआनीउरधायरजवतीसरिसिन्धुसंगकोतजैं॥ नीरको
नपुंसककहतकविधीरसबैहोयकै अधीरतेऊनारीनारीको
भजैं। कुसमितलतालखोलपटीतसालनसोंलालनसोंक
हौंऊधोक्योंनआजहूँलजैं १७४ ॥ सवैया ॥ पीवकहां
कहिदेवतोसावसपावसमैंरसवीचकहांहै। जीवननाथ
केसाथविनागुरुदत्तकहैतनजीवकहांहै ॥ वानीसुनी
जबतेतबतेयहजानीनजातसोपीवकहांहै। पीवकहांक
हिकेपपिहाकेहिसोंतुमपूछतपीवकहांहै १७५ ॥ कवित्त ॥
फूलनकेखंभापाटपटरीसुफूलनकेफूलनकेफंदमेंफंदेहैंला
लडोरेमें। कहैपदमाकरवितानतनफूलनकेफूलनकेझा
लरयोझीलतिझकोरेमें ॥ फूलरहीफूलनसुफूलफुल
वारीतहांफूलईकेफरसफबेहैंकुंजकोरेमें। फूलझरी
फूलभरीफुलजरीफूलनमेंफूलईसीझूलतिसुफूलकेहिंडो
रेमें १७६ फूलीफूलबेलीसीनवेलीअलबेलीबधू झूलत

अकेलीकामकेलीसीबढ़तिहै । कहैपद्माकरझूमंककी झकोरनसोंचारोंओरशोरकिङ्किणीनकोकढ़ति है ॥ उ रउचकाइमचकीनकीमचामचसों लंकहिलचायचायचौ गुनीचढ़तिहै । रतिविपरीतकीपुनीतपरिपाटीसुतो हौंस निहिंडोरेकीसुपाटी मेंपढ़तिहै १७७ फुहूफुहूबुंदझरैंवी खारिबाहनतेकुहूकुहूशब्दहोतकीरकोकिलानकी । ताही समैश्यामाश्यामझूलतहिंडोरेबैठिवारोंछविकोटिनमेंरति पंचवानकी ॥ कुण्डललटकसोहैंभृकुटीमटकमोहैं अटक चटकपटपीतफहरानकी । झूलनसमेकीसुधिभूलतनहू लतरीउझकनिझझकिझकोरनिभुजानकी १७८ बरस तमेहनेहसरसतअंगअंगझुरसतदेह जैसेजरतजवासी है । कहैपद्माकरकलिन्दीकेकन्दबनपैमधुपनकीन्होंआ थमहतमवासीहै ॥ ऊधोयहऊधमजतायदीजोमोहनको ब्रजसोंसुवासोभयोअगिनअवासोहै । पातकीपपीहाज लपानकोनप्यासोकहा ब्यापितबियोगिनिकेप्राणनको प्यासोहै १७९ ॥ सवैया ॥ बनबागनकेप्रतिकुंजनमेंघनी लोनीलवङ्गलतालहरैं।बसिकैनभमण्डलमेंभुवनेशभले क्षणजोन्हहियोथहरैं ॥ बरषैघनआंसुनब्याजननीरतऊ पैअधीरभयेघहरैं। पपिहाऊपियारटलायोकरैंमनमानुष कोनहिंक्योंहहरैं १८० ॥ कवित्त ॥ बूढ़केबढ़तकामपावस सुखदधाममेघअभिरामश्यामबकब्योमउसके । भनत दिवाकरबिहङ्गचोचाखोतालाइ करतबहारसुलहारलेत खुसके ॥ देखिहरिआईभूमिगाइनहुलासहोतरागकी प्रकासवोबिकासकासकुसके । कुचसहरातघहरातघन छनछन धनधनआलीयहकौनचालीरूसके १८१ बि

पतबिलोकतहीमुनिमनडोलिउठे बोलिउठेबिरहीबिनोद भरेबनबन। अकलविकलकैबिकानेरेपथिकजनउर्ध्वमु खचातकअधोमुखमण्डलगन॥ वेनीकविकहतमहीकेम हाभागभयेसुखदसंयोगिनिवियोगिनिकेतापतन। कुंज पुंजगंजनसुखीदलकेरंजनसो आयेमानभंजनपैअंजनब रणघन १८२ ॥ सवैया ॥ बरसैंबनकुंजनपुंजलतासिक मंजुमयूरनकोसरसैं। मधुघोरकिशोरकरैंघनयेचपलाच लचारुकलादरसैं॥ अलिहौंबलतूचलबेगिहहा उततो बिनप्राणपियातरसैं। उमड़ैंद्रुमड़ैंघुमड़ैंघनआजमिहींबुँ दियानबड़ोबरसैं १८३॥ कवित्त॥ बरषैपुनरबसुधराहैउदा राजहैं इन्द्रगोपगोपिकालीफिरैंघूमिघूमिहैं। द्विजहरषावैं पयआवैचहुंओरनितेंअम्बरसुहावैसिखिआवैंजूमिजूमि हैं॥चपलासहितबसुयामजामैंघनश्यामगतिअभिरामअ तिचलैंभूमिभूमिहैं॥ चहूंघातमालैंहैकदम्बतालैंदीनद्या लपावसरसालैकेविशालैभूमिभूमिहैं १८४॥सवैया॥ बैरी वियोगकीऊकतजारनकूकउठेअचकाअधरातक। बेधत प्रानबिनाहीकमानसबानसोंबोलसोकानहोघातक॥ शो चनहूपचियेबचियेकितडोलतमोलतलेपमहातक। हेघ नआनँदआनछयेउतपैडपरेइतपातकीचातक १८५॥ कवित्त॥ बोलतहैंबनमोरदादुरकरतशोरदामिनिकीकौंधे अतिलागतिभयावनो। गरजतघनघोरकामचढ़योदल जोरकहाकरौंनाहनाहींमहामनभावनो॥ बैठीहौंअधीन अबयाकोधौंविचारकहा मेरेगरेपरेबोईसावनोडेरावनो। औरतौसहेलीसबभूलतहिंडोरोडारि श्वासकोहिंडोरोमो हिंपरयोहैभुलावनो १८६॥ सवैया॥ बैठिअटापरऔधि

बिसूरतपायसंदेशनश्रीपतिपीके । देखतछातीफटैनिपटै उभ्भटैजबविज्जुछटाछबिनीके। कोकिलकूकैलगैमनलूकै उठैहियहूकैवियोगिनितीके ॥ वारिकेवाहकदेहकेदाहक आयेबलाहकगाहकजीके १८७ ॥ कवित्त ॥ बर्बरातबेहर प्रचण्डखण्डमण्डलपै दर्बरातदामिनिकीद्युतिरीअर्फरात । घर्घरातघननकेमेघआयेभ्भर्भरातपर्परातपानिपके बुन्दनतेजर्फरात ॥ भर्भरातभामिनिभवनमांभ्भसेनापति हर्बरातहायहीयपीयपीयबर्बरात । चुर्भुरातखिन्नखिन्नधी रनघरतवीरनीरहीनमीनऐसीसेजपरफर्फरात १८८ ॥ सवैया ॥ बरसैंजुरिकैअतिकारीघटालखिबातनआवतहैंग रसैं ।गरसैंअबचाहतहैविजुरीवनकेखगदेखिसभैहरसैं॥ हरसैंकोउजायकहैबतियांबुंदियांतनलागतहैसरसैं । स रसैंछबिसांवरोकीकविरामघटाअरिकैजुरिकैबरसैं १८९॥ कवित्त ॥ बाजतनगारेघनतालदेतनदीनारेझींगुरनभ्भांभ्भ भेरिभ्भंगनबजाईहै । कोकिलअलापचारीनीलकंठनृत्य कारीपौनवीनधारीचाटीचातकलगाईहै ॥ मणिमालजुगु नूममारखतिमिरथारचौमुखचिराकचारुचपलाजनाईहै। बालमविदेशनयेदुखकोजनमभयो पावसहमारेल्याईवि रहबधाईहै १९० ॥ सवैया ॥ बरसैघनश्रौचमकैचपला सुखदम्पतिकेहियमेंसरसै । सरसैपिकचातकशब्दप्रवी नरुकामवियोगिनकोदरसै ॥ दरसैसबश्रोरघटागजसी घरमध्यपियासुप्रियाबरसै । बरसैविरहानलएकघरीविर हीनकोएकघरीबरसै १९१ ॥ कवित्त ॥ भूलीकिधौंह्यांकी पीरबाढीहैउहांकी भ्भरैनैनभ्भरताकीसुधिआयउरवाकी है । चपलाचलाकीकरैनटकीकलाकीतैसी दौरबदराकी

औंधुकारधुरवाकीहैं ॥ हैनकछुदाकीऔधआसरानिशा कीतामेंआइपरैडांकीयेभकोरपुरवाकीहैं । टेरपपीहाकी करैसेलसमताकी डरैकरैउरभांकीसेपुकारपपिहाकी हैं १८२ भादौंकीअंधेरीधुरवाकीलटकेरीपावसास नकेरैरी छिनछिनछोड़ेवानरी । बोलतभयानभेगीवासनातज तयोगीपतिसेविहूननासोहातखानपानरी ॥ भनतदिशा करकरारदरियावछोड़ी नावकेनवाहवादशाहछोड़ेशान री । पावसप्रवलमेंरेपियकोछोड़ायदीन्हों दोषनविदे शीकरैकैसेकैपयानरी १८३ भादौंभरेसरवहैनदीनारे धरधरधरापैमेघझरिझरिझरतिहै । भरिभरिनयननि मैनमारीहारीवरिविरि अरिअरिवीरवीरवीरमेंकहतिहै ॥ धरिधरिदेखौकरहियोहोतधर थरथरकांपैधरधीरनाधर तिहै । हरिहरिजीवजातदेखेललताहरिहरि हरिहरिहरहर रसनारटतिहै १८४ ॥ सवैया ॥ भजिबेगिचलोमथुराको भटूवचिहैनकोऊकरिजोरनरी। घिरिकारीडरारीघटानभ तेलटकीधुरवानकीडोरनरी ॥ अतिचायचढीलहकैचप लावहकैवरहीनकेशोरनरी। वहपाछिलोबैरिसंभारिपुरंद रचाहैसबैब्रजबोरनरी १८५ भावनतेमनकेबिछुरेजबते तबतेतनकामसतावन । तावनदेहसमीरकरैबदरालखि मोरलगेकलगावन ॥ गावनघेरिघटाबरषैजियकोसगरे विधिहैतरसावन । सावनकौनउपायसखीहियलायमिलौं अपनेमनभावन १८६ ॥ कवित्त ॥ भूमिभईहरितसरित सरउमड़तसूझोनापरतमगपगदीजियतुहै । नेहसर सावनसधावनलगेहैंसिंह आवनकीबारमेंबिदेशभीजिय तुहै ॥ सखिनकीसीखसुनिसींचियेनदुखबेलिकेलितज

कबतेबिरहबीजियतुहै । येहोमनभावनलगेहेपिकगावनं सुऐसेभेरेसावनपयानकीजियतुहै १९७॥ सवैया ॥ भूमि हरीभईगैलैंगईमिटिनीरप्रबाहबहावबहाहै । श्यामघटा नअंधेरोकियेदिनरैनिमेंभेदकछूनलहाहै ॥ ठाकुरमौनतें दूसरेभौनओजातबनैनबिचारमहाहै । कैसेकेआवैकहा करैबीरबिदेशीबिचारनदोषकहाहै १९८॥ कवित्त ॥ मद मईकोयलमगनह्वैकरतकूकैजलमईमहीपगपरतेनमगमें। बिज्जुनाचैघनमेंबिरहहियबीचनाचैमीचुनाचैब्रजमेंमयूर नाचैनगमें ॥ श्रीपतिसुकबिकहैसावनसुहावनमेंआवन पथिकलागेआनंदभोअंगमें । देहछायोमदनअछेहतम क्षितिछायोमेहछायोगगनसनेहछायोजगमें १९९ मेच ककवचसाजबाहनबयारबाजगाढ़े दलगाजरहैदीरघबद नके। भूषणभनतसमशेरसोईदामिनीहैहेतनरकामिनीके मानकेकदनके॥ पैदलबलाकाधुरवानकेपताकागहेघेरिय तआजचहुंओरनसदनके । नकरनिरादरपियासोंमिलो सादरयेआयेबीरबादरबहादुरमदनके २०० मोरनकेसु रतेनसुरतेरहीहैओरउरतेनिकासेचेतसुरतेकन्हाईकी।पी वपीवकहैबिनपीवजीवअकुलावैघातैंचहुँघातलागीचात ककसाईकी ॥ तेरेधरधीरजहीबौरेमनमोहमहादौरेशंभु दुसहदमारदुखदाईकी । कोरेउठीघनकीबचावैकहुकोरे आणकोरेलेतीहीयेयेभकोरेपुरवाईकी २०१ मल्लिक नमंजुलमलिंदमतवारेमिले मंदमंदमारुतमुहेममनसा कीहै । कहैपदमाकरत्योंनिनदनदीननितनगरनबेलिन कीनजरनिशाकीहै ॥ दौरतदरेरादेतदादुरसुदूंदेदीहदा मिनिदमकतिदिशानमेंदशाकीहै । बद्दलनबुंदनबिलो

कोवगुलानबागबंगलनबेलिनबहारवरसाकी है२०२ यो बनप्रबेशमेंबिदेशमदसूदनजी निपटअंधारीकारीसाव नकीयामिनी। एकटकरटतपपीहापिकनीलकंठहियोच मकतदमकतजबदामिनी॥ सूनेसेजमंदिरमेंसुंदरिबिसूरे बैठीपीतमसुजानबिनकैसेजियेभामिनी। नैनभरिभरिढरे मुखहरिहरिकरैउछरिउछरिपरैकामभरीकामिनी २०३ राजैरसमैरीतैसीबरषासमैरी चढ़िचंचलानचैरीचकचौं धाकौंधावारेरी। ब्रतीव्रतहारैहियेपरतफुहारैकछुछोरेकछु धारेजलधरजलधारेरी।मनतकबिंदकुंजभौनपौनसौरभ सोमदनकंपायकेनपहरतपारेरी। कामकेतुकासेफूलडोल डोलडारेमनऔरकरिडारेयेकदंबनकीडारेरी २०४ रा चिराचिइ दुबधूहरीहरीभूमिपरदौंकदौंकदामिनीहमारि येअरजहै। बोलिबोलिपपिहामयूरगतिनाचिनाचिबकि बकिदादुरनकाहूकीमरजहै॥ साजिसाजिपावसतूसावस हैगुरुदत्तकरिकरिबारअतिछतियादरजहै। येरेबदबद रातूबरजोनमानतहै गरजगरजतोहिंआपनीगरज है २०५॥ सवैया॥ राधाऔमाधोखरेदोउभीजतवाभलरे भपकेबनमाहीं। बेणीगयेजुरिबालनमेंशिरपातनकेछत नागलबाहीं॥ पामरीप्यारीउठावतिप्यारेको प्यारोपित म्बरकीकरेछाहीं। आपुसमेंलहाछेदमेंछोहमेंकाहूकोभी जबेकीसुधिनाहीं २०६॥ कवित्त॥ रहसिरहसिहँसिहँसि केहिंडोरचढ़ीलेतखरीपैंगेछबिछाजेउकसनमें। उड़तदु कूलउघरतभुजमूल बड़ीसुखमाअतूलकेशफूलनखसन में॥ वोभलक्कैदेखिदेखिभयेअनमेखश्याम रीभतबिसू रश्रमसीकरलसनमें। ज्योंज्योंलचिलचिलंकलचकत

आवनीके त्योंत्योंपियप्यारोगहेआंगुरीदशनमें २०७
लाग्योयहसावनसनेहसरसावन सलिलबरसावनपटा
झरिटटानको । गोरीगांवगांवनलगीहैंगीतगावनहिंडो
लेभूमिलावनसुठानछ्वैअटानको ॥ भनतकविन्दविर
हीजनसतावनसुदेखोचमकावनयोंविज्जुलिछटानको ।
प्यारेपरोंपांवनचलैकोलीजैनावनसुदेखोआजुआवनसु
हावनघटानको २०८ लहलहीलोनीलोनीलतालखिल
खिआलीप्यारेबनमालीबिनदेखेहियेलरजै। ब्याकुलवि
योगिनीनगेहगेहयहगांवकाहूको नजानैकोऊहरजैनम
रजै ॥ हेरोपुनिवंतोकोऊऐसोपरसादजोन सुनतहीमेरी
यहमानिलेइअरजै । पौनकीझकोरनकोझिल्लिनकेशो
रनकोघनघटाघोरनकोमोरनकोबरजै २०९ ॥ सवैया ॥
लेहजूगेहकोजैबोकह्यइतआयोहैनेहसोंमेहउनैहै। जैहों
नतोइतरैहोंकहांपियभीजतबूंदनकोनछपैहै ॥ शेखरऐ
सीकहोनतियाछपियेछतियांमेंभलोरंगरैहै । रंगतिहारो
रहैगोललापैहमारीतोचूनरीकोरंगजैहै २१० ॥ कवित्त ॥
लाग्योमाससावनविदेशीठांवठांवनसों आवनलगेहैंकै
तोउन्हैंसुधरीनहीं । केतोवहिगांवनमेंजावनकहतकोऊ
कैतौगुणगावनकीरीझआगरीनहीं ॥ भनतकविन्दमन
भावनतिहारेहम पावनकोसेवेतकसीरऊपरीनहीं । हते
तोहितावनपैतावनलगेहोहिय दावनलगेहोकैविदाउन
करीनहीं २११ लागेभरिजोरमोरकुहुकनकुंजनमें पपि
हापियाकोनामलैलैकैपुकारैरी । कहैंनृपरामपरतापकारी
कोलियाहूकूकदेतीहूकेअरुझिल्लीझनकारैरी ॥ दादुर
रटनिसुनिहियराफटनलाग्यो जुगुनूचमकिसुधिसकल

विसारैरी । हायप्राणप्यारोवेनुघेरिघनआयेचहुँविरहबि
थामैमारमारमारडारैरी २१२ लगीसोलगाईलंकखेह
निखराबकरौंमारिकरौंमोरनअहारमारजारेको । सुकवि
निधानकानआंगुरिनमूंदिमूंदि सुनिहोतघोरशोरझिल्ली
झनकारेको ॥ भेकनकीभीरसहसाननमिटायडारौं मेटि
डारौंगरबगरूरघनकारेको । पाऊँजोपकरिकंहूजालसों
जकरितनफीहाफीहाकरौंयापपीहादईमारेको २१३ लीं
नेलेतज्ञानकोऊझीनेलेतआनिबानि लूटेलेतकोऊहठि
लाजकेसमाजको । द्विजदेवकीसौंयाअंध्यारीकीअंधाधुं
धिमैंलेतकोऊकान्हसुखसम्पतिकेसाजको ॥ येरीभेरी
तोहिजऊमानिमानदोषतऊ समयविचारिकीजैऐसेऐसे
काजको । तोहिंइतमानकेअनादरनघेरोउतबादरनघेरो
जायजायब्रजराजको २१४ लटकिलटकिमेघबारिझह
रनलागेतड़पितड़पिबिज्जुकरैरवघोरिघोरि । फैलीहरि
आईनीरविहरीबहूटी वीरपापीसरसरिताकरारजलछोरि
छोरि। भनतदिवाकरवरसवायुभूंकिभूंकिभंकिभंकिवि
पिनविटपदेतझोरिझोरि ॥ वहीकालबालब्रजसांवरोपि
याकेसेजकुचचुभुकातिमुसक्यातमुखमोरिमोरि २१५
श्यामछविधरेफिरैंधुरवाधरनिछैरीइन्द्रधनुपीतपटचटक
दिखायोहै । दामिनिदमकद्युतिदेतदेतबोरसोई कुण्डल
अमोललोलगतिचमकायोहै ॥ विशदवलाकनकीपांति
बनमालअलिमन्दमन्दमेघबांसुरीलोस्वरगायोहै।आव
नअवधिरहीप्यारेमनभावनकीसावनसुहावनसोंसाजस
जिआयोहै २१६ श्यामसमबादरतड़ितपीतचादरसेआ
दरसेबातलगेमीठीघनघोरते । छातीवनमालसेलसेहैध

नुदेवराजमोतिनकीपांतिवकवंशीटेरमोरसे॥ भनतदिवा करसुत्राननिशाकरसेहीरनसेजुगुनूधमारनकेशोरसे। एरेपापीपावसअमावसकरातिअसकसअनुहारिपियतो रेमनचोरसे२१७॥ सवैया॥ शुचिसावनीतीजसुहावनीबी जघनेघनहूघहरानलगे। वनकेवनगोविंदचातकमोर मलारनकोठहरानलगे॥ द्रुवोफूलैंभुकेभमकेरमकेहि यराअतिसेहहरानलगे। पटप्रेमपगेफहरानलगे नथके मुकताथहरानलगे २१८॥ कवित्त॥ इयामघटानाहींयेतो धूमनकीछटाछांहीं दामिनिकहांहैयेतोचोखाउठैधुरमैं। गरजकहांहैयेतोघोरफटेथम्भनकी जुगुनूकहांहैयेचिन गिउड़ैंसुरमैं॥ मेघबूंदनाहींयेबुभावतफिरतदेव तिनही केछांटेआयपरेभूमिउरमैं। मिंहकहैदावानलआयकेबु भावैकौनएरीआगलागीहैपुरन्दरकेपुरमैं २१९ शरद शशीतेअधशशीह्वैबचीहौकवि चिन्तामणितिमहिमशि शिरभमकते। मारतमरूकैबचीवधिकवसन्तहूंते पाव कअजारबांचीग्रीषमतमकते॥ आयोपापीपावसयेप्राण उकतानलागेभगिरीअसानघोरघनकेधमकते। तापने तचौंगीजोपैअमियअचौंगीआलीअवनबचौंगीचपला नकीचमकते२२० सावनकीरैनिमनभावनगुविन्दबिन देतदुखभरनमेंभिल्लिनकोशोरहै। कालिदासप्यारी अंधियारीमेंचकितहोतउमड़िघुमड़िघनघहरतघोरहै॥ सूनेकुंजमन्दिरमेंसुन्दरीबिसूरैबैठी दादुरसेदहकसीलेत चहुंओरहै। हियेमेंवियोगिनीकेविरहकीहूकउठीकूकउ ठीकोकिलकुहकउठेमोरहै २२१॥ सवैया॥ सुनियेध्वनि चातकमोरनकीचहुंओरनकोकिलकूकनसों। कविदेवघ

टाउनईजोनईबनभूमिभईदलदूकनसों ॥ अनुरागभरे हरिबागनमें सखिरागतरागअचूकनसों। रंगरातीहरी हहरातीलता भुकिजातीसमीरकेभूकनसों २२२ ॥ कवित्त ॥ सावनसुहावनकोआवनभयोहैपियधावनधवल धुरवानकोविशेषिये। बैहरभरपलागेधरकउठतछाती दरपजरपतड़ितानकीपरेखिये॥ श्रीपतिरसिकमनभाव नतजतजिययासमैंविदेशकोगवनकहालेखिये। धीरज बिहंडेबूंदबदरीअखण्डेअति घनकीघमण्डेब्रजमण्डल मेंदेखिये २२३ सावनसखीरीमनभावनकेसंगबलिक्यों नचलिभूलतीहिंडोरेनवरंगपर। कहैंपदमाकरसुयोवन तरंगनते उमँगउमंगतअनंगअंगअंगपर॥ चोखीचू नरीकीचारितरफतरंगतैसी तंगअंगियाहैतनीउरजउतं गपर। सौतिनकेबदनबिलोकिबदरंगअब रंगहैरीरंगते रीमेहँदीसुरंगपर २२४॥ सवैया॥ सावनतीजसुहावन कोसजिसूहेदुकूलसबैसुखसाधा। त्योंपदमाकरदेखबनै नबनैकहतेअनुरागअगाधा॥ प्रेमकेहेमहिंडोरनमेंसर सैबरसैरसरंगअबाधा। राधिकाकेहियभूलतश्यामरो श्यामरेकेहियभूलतिराधा २२५॥ कवित्त॥ सघनघटा नछबिज्योतिकीछटानबीच पिकउरटानज्योतिजीगनजु ईपरे। हारहियहरितनदीनन्दभरितभरीनभरभरित सोधरनिधुईपरे॥ ऐसेमेंकिशोरीगोरीभूलतिहिंडोरेभु किभकनिभकोरैफेलिफूलनिफुईपरे। कीजियेदरशनद नन्दब्रजचन्दप्यारेआजुमुखचन्दपरचूनरीचुईपरे२२६ सावनसुहावनविशेषिनभधनुलेखियादिहोतिभटपटपी तअभिरामकी। तकिमृगपातीविलपातीअकुलातीमति

आवतिसुरतिवहमौलसिरीदामकी ॥ मोरचहुंओरदेखि मुकुटसुरतिहोति चपलाचमकदेखिकुण्डललामकी। ऊधोब्रजबामकैसेधीरधरैंसूनेधाम लखिघनश्यामसुधि आवैघनश्यामकी २२७ सांझहूंसकारेभनकारेहोतन्न दीनारेपावसकेमांझझांझझिल्लिनतजतये। दामिनि मशालकोदिखावैंतालदादुरदै मोरचहुंओरनाचनाटको सजतये ॥ धुरवामृदङ्गनकीधीरधुधुकारठान रातेनैनमा तकलगानकोभजतये। शोककोजनमव्रजओकमेंभयो हैऊधोसांवरेविरहतेबधावरेबजतये २२८ सांचीकहेरा वरेसोंभांवरेलगैतमाल आवैजेहिकालसुधिसांवरेसुजा नकी। फूलभारभरीडारजैसेयमजारऊधो कालिन्दीक छारसजैधारज्योंकृपानकी ॥ चपलाचमकलगैंलूकक्षैअ चूकहिये कोकिलकुहूकवरजोरकोरवानकी। कूकमोरवा नकीकरेजाटूकटूककरै लागतिहैहूकसुनिधुनिधुरवानकी २२९ सोहतसुभगबैलबाहनविमलवाय विशदवकाली शेषहारलपटायो है। सादरसोंलायवरवादरविभूतिअं गदादुरउमंगधुनिडमरूबजायो है॥ कारीघटागजछाल धाराजटाहैविशालदामिनीछटात्रिशूलसुन्दरसुहायो है॥ काटिहैकलेशमोददैहैरीभटूविशेश धरिकैमहेशवेषसाव नलगायो है २३० सावनसोहावनयालागतभयावनसो आवनअवधिअबशोचैगजगामिनी। ऐहैंकबहूंधौंबल वीरह्यांकिनाहिंऊधो कैसेधीरधरैयेअधीरव्रजकामिनी॥ जहांतहांयोगनकीज्योतिजगैज्वालजैसी यमकीजमाति सीजनातिजातियामिनी। जारेहैपपीहरापुकारैपीउपी उटेरिघेरिमारैवादरदरेरिमारैदामिनी २३१ सावनके

दिवससुहावनेसलोनेश्यामजीति रतिसमरविराजैश्या
माश्यामसंग। द्विजदेवकीसौंतनुउत्रटिचहूंघारहो चुंबन
कोचहलचुचातचूनरीकोरंग ॥ पीतपटतानेहरषानेलखैं
लपटाने उमहिउमहिघनश्यामदामिनीकोढंग। रतिरन
भीजेपैनमैनमदछीजेअरुरसवशहोतऊतनकपसीजेअं
ग२२२॥ सवैया ॥ सोइगईपछिरातमैंआजुतहींमनमोहन
आइगयोरी। तौलौघनेरीघटालखिकै इनमोरनशोरम
चाइदयोरी ॥ ऐसीवियोगदयोविधिनासखि सपनेहूनसं
योगभयोरी। कासोंकहाकहियेनंदरामभयोउरसौंगुनो
शोचनयोरी २२३ ॥ कवित्त ॥ सरिताकलोलकरेवनिता
हिंडोलधरेचपलाचमकचहुंओरनभदोड़ोना। लताल
पटततरुमंगनचलतमरु सुरवारहतहरुनेकुसंगतोड़ो
ना ॥ भनतदिवाकरसमुद्रग्राहमड़ोकच्छअच्छतप्रतच्छ
प्रीतिराखतहैथोड़ोना। सावनभयावनअंधेरीरैनिभादौं
कान्हरहैगीअकेलीमैनराधेसंगछोड़ोना २२४॥ सवैया॥
सखियांकोउझूंकतेझूलनके डरिलागहिंप्रीतमकीछति
यां। कोउडोरधरेकरएकत्योंएकते पीकीबचावतिहैंघति
यां ॥ कोइगाइमलाररिझाइरही अरुकोउकरैंरसकीब
तियां ॥ कबपीरनिवारिहौमोंहियकीपियजातीहैं सावन
कीरतियां २२५ ॥ कवित्त ॥ होयरहीहरीहरीबृजकीसक
लभूमि फूलनकेभारभूमिरहींद्रुमडारीहैं। लहरैंकलिन्द
नन्दनीकीनीकीलसे नभउमड़िघुमड़िरहींघटाधुरवारी
हैं ॥ प्यारीमनमोहनजूझूलतहिंडोरेजहां सुरभिसमीर
धीरचलेसुखकारीहैं। प्रेमवशभीजताफिरतफेरिवरषामें
वनमेंविहारकरैंराधिकाविहारी हैं २२६ हूकैनिरशंकअं

कलैकैउरजनलाई निरखिनिरखिनैनरूपरसचाखती। दीनह्वैकैबोलतीतुरतअंशुवनढारि दोऊकरजोरिकैविरह बिथाभाखती॥ ल्यावतीपकरिगुरुजनआगेआंगनलौं सन्तनकहतवेगिलाजनदीनांघती।जोहौंसखीजानतीकि सावनविदेशह्वैहैपावनपकरिमनभावनकोराखती२२७॥ सवैया॥ हैंघनघोरघनेघहरातसोमोरसुनेहहरातहियाहै। कौनकरैमनसाधरकोरसभीजबेकीभईभीतभियाहै॥ कामकेकाजइलाजयहैबिनकाजकीओरसबैबतियाहै। पावसमेंसुखसोइलहै जेहिकीरतियांछतियांछतियाहै २२८ कवित्त॥ हेरवनजेरेसजरीसीलागीहरीभूमिकरीघनघटा ज्योंप्रलैकीघेरघहरै। लागैफणीफणकीफुकारसीबयारि वारबूंदविषबाणसमछातीछेदछहरै॥ गावैमोरकरखायौं बरषासमैमेंकाम कालिदासकान्हबिनगोकुलमेंथहरै। महलझरोखनमेंझाँकतहीलागिउठै यमकीसीचाबुक येयमुनाकीलहरै २२९॥ सवैया॥ हरीभईभूमिउठयोघनघूमि बरस्सतझूमिहरक्खतमोरे। तड़प्पतभेकसड़क्कतसांपखड़क्कतपातपहारकेकोरे॥ लपक्कतविज्जुलता लड़जासझमक्कतझींगुरझांझसिझोरे। पक्षीपछितात तपीविलखातडरप्पतकामिनिकन्तकेकोरे २३० क्षणही क्षणदौरैदुरैदरशैछबिपुंजकिशोरजमासेकरै। अतिदीन विनापियजानजिये विरहीनहियेबरमासेकरै॥ अरुदेखिभईकबहूँथिरह्वैघनकोहरिकीउपमासेकरै। चहुंघातै महातड़पैबिजुरी तमतोममेंआजतमाशेकरै २३१॥ कवित्त॥प्रीतमनआयेजायद्वारकामेंछायेऊधोपातीनपठाये यहांपावसकीहूकहै। मेघघहरानेजललागेझहरानेअब

झामशरतानेउरबेधतअचूकहै ॥ झिल्लीकीझमकदूजे
ज़ुरीकीचमकतीजे मेघकेघमकतेउठततनबूकहै । दु
ःसुखकासेकहौंप्रीतमनआयेभौन कोकिलाकेकूकतेकरे
जाटूकटूकहै २३२ घांघरेकीउमड़िघुमड़िचारुचूनरीकी
पाँयनमलूकमखमलवारजोरेकी । भृकुटीबिकटछूटींअ
लकैंकपोलनपैबड़ीबड़ीआंखिनमेंछबिलालडोरेकी ॥ त
रिवनतरलजड़ाऊजरवीलीजोर स्वेदकनललितवलित
मुखगोरेकी । भूलतनभामिनिकीगावनगुमानभरी साव
नसेंश्रीपतिमचावनहिंडोरेकी २३३ ॥

इतिश्रीपावसकवित्तरत्नाकरश्रीवल्लभकुलसेवक परमानन्द
वल्द वंगालीलालसुहानेसंग्रहीतसमाप्तम् ॥

मुन्शी नवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेख़ाने में छापागया ॥

जूलाई सन् १८९३ ई० ॥